जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 159 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस व विपक्ष फंसा भाजपा के जाल में

महिला आरक्षण विधेयक में बाधक बनने की तोहमत से बचने के लिए, कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने का निर्णय लिया सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और विपक्ष को चौंका दिया है, तथा विपक्ष के पास लगभग कोई विकल्प नहीं छोड़ा, सिवाय इसके कि वे इसका जोर-शोर से विरोध करें।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शुक्रवार शाम को हुई, जिसमें सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के बीच 16 से 19 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं के आरक्षण बिल पारित करने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 15 अप्रैल को सभी विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई है, ताकि यह तय किया जा सके कि बिल का विरोध किए बिना इसे संसद में कैसे रोकें।

- पर, शायद यह कांग्रेस को याद नहीं रहा कि सितंबर 2023 को सरकार ने विपक्ष की मदद से विधेयक पारित कराया था कि महिला आरक्षण विधेयक जनगणना व परिसीमन के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है
- अतः, अब कांग्रेस व विपक्ष पूरा जोर लगा रहे हैं, पर्याप्त संख्या इकट्ठी करने में, जिससे संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाए।
- और, इससे अप्रत्यक्ष रूप से सीटों का परिसीमन हो जाएगा, जो दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रभाव बहुत सीमित हो जाएगा और उत्तर भारत को ज्यादा संसदीय सीटें मिल जाएंगी।
- और, भाजपा सरकार का मकसद पूरा हो जाएगा।
- बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव से पूर्व यह घटनाक्रम कांग्रेस व डीएमके के गठबंधन के बीच में दरार ला सकता है।

विपक्ष का विरोध आरक्षण बिल को लेकर नहीं है, बल्कि उस परिसीमन (डीलिमिटेशन) को लेकर है, जिसे सरकार ने बिना नई जनगणना करवाए प्रस्तावित किया है। यह 2011 की जनगणना पर आधारित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई।

- निवर्तनमान उप सभापति हरिवंश ने भी राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उनका कार्यकाल खत्म हो गया है पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है राज्यसभा में।

इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इस्लामाबाद वार्ता के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है

बल्कि, ईरान के संसद के स्पीकर गलीबाफ ने नई मांग रख दी है, उसके फंड्स (पैसे) जो अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, बैंकों में ''फ्रीज'' है, उन्हें रिलीज़ किया जाए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। जैसे-जैसे ईरान और अमेरिका के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता का समय नजदीक आ रहा है, अनिश्चितताएँ बढ़ रही हैं। इससे सभी पक्षों में खासकर पश्चिम एशियाई पड़ोसियों में घबराहट फैल रही है, जिन्हें पिछले चालीस दिनों से जारी संघर्ष के दौरान लगातार ईरान की बमबारी का सामना करना पड़ा था।

ईरान ने अब तक अपनी वार्ता टीम का ऐलान नहीं किया है, जिससे इस्लामाबाद वार्ता में उसके भागीदारी को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अमेरिकी वार्ता टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस कर रहे हैं। इसमें ट्रंप के मध्य पूर्व विशेष दूत स्टीव विटकोफ और उनके

- ईरान के पैसे रिलीज़ करने की मांग पहले कभी नहीं उठाई गई थी। गलीबाफ ने बड़े ''सही'' समय पर यह मांग उठाई है।
- साथ ही ईरान जोर दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा भी इस्लामाबाद शांति वार्ता में शामिल है। दूसरी और इज़रायल लगातार लेबनान पर बमबारी जारी रखे हुए है।
- गलीबाफ जानते हैं कि ईरान की ये शर्तें कभी भी स्वीकार नहीं होंगी, पर, इन शर्तों को अभी उठाकर ईरान और कई रियायतें स्वीकार करा लेगा, जैसे इन शर्तों के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को चालू करवाने की माँग दब गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रम्प ने इजरायल के दबाव में ईरान युद्ध शुरु किया'

इस्तांबुल, 10 अप्रैल। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति की तीखी आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा सीज़फ़ायर को बेहद ढीला-ढाला बताया। उन्होंने

- अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन कैरी ने ईरान युद्ध को लेकर टिप्पणी की।

चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर दो पार्टियों के ''री ग्रुप'' (पुनः संगठित) होने का मौका मात्र है

अमेरिका को अवसर मिला है, यह आंकने का कि उसकी विशाल सेना की डिटरैंस (डराने की क्षमता) कितनी कारगर है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। ईरान संघर्ष में, जिसकी परतें खुल रही हैं, विश्व को क्या देखना चाहिए? तीन प्रमुख फॉल्ट लाइन्स सबसे महत्वपूर्ण हैं।

पहला, होर्मुज़ स्ट्रेट का भविष्य- क्या शिपिंग सामान्य स्थिति में लौटेगी या जबरदस्ती नियंत्रण के अधीन रहेगी। दूसरा है, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्धविराम, जिसे राजनीतिक समझौते के बजाय एक सामरिक विराम के रूप में अधिक समझा

- ईरान को यह आंकने का मौका मिला है कि वह अब दबाव बनाने की क्षमता को किस हद तक काम में ले सकता है, इससे पहले कि कोई शत्रु विध्वंसकारी कार्यवाही शुरु करे।
- भारत के लिए काफी कठिन समय है कि वह कैसे संतुलन बिठाए अमेरिका व ईरान के बीच। इसके लिए काफी कुटनीतिक चतुराई चाहिए। यह ऐसा समय है, जब तनाव ''मैनेज'' करना पड़ेगा, तनाव खत्म नहीं होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा है। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई

- जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की कार्यवाही शुरु हो चुकी है और जांच के खिलाफ दायर उनकी याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी है।

शुरू हो चुकी है। लोकसभा स्पीकर ने इस मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच कमेटी गठित कर दी है। लोकसभा स्पीकर की ओर से इन्क्वायरी के आदेश को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा उन लोगों के साथ नहीं जायेगी जो बाबरी मस्जिद बनाने की बात करते हैं'

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चर्चा का केंद्र बने स्टिंग वीडियो को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा है कि वह 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद कर लेगें, पर ऐसे लोगों के साथ कभी नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी उन लोगों के साथ कभी नहीं जाएगी, जो पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसा ढ ांचा बनाने की बात करते हैं। हुमायूं कबीर और भाजपा का रिश्ता नॉर्थ पोल और साउथ पोल जैसा है, जो कभी एक नहीं हो सकते हैं।

- पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चर्चा का केंद्र बने स्टिंग वीडियो को लेकर गृहमंत्री अमित शाह की दो टूक
- शाह ने कहा हुमायूं कबीर और भाजपा का रिश्ता नॉर्थ पोल और साउथ पोल जैसा है, जो कभी एक नहीं हो सकते हैं।

वहीं, इस मामले में गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा है कि आप ममता बनर्जी की क्षमता को नहीं जानते हैं, वह इस तरह के 2000 वीडियो बना सकती है। दरअसल, यह मामला आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर के उस स्टिंग वीडियो से जुड़ा हुआ है। इस स्टिंग वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया था कि वह बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में हैं और कथित तौर पर 1000 करोड़ रुपए की डील का ऑफर उन्हें दिया गया है।

हुमायूं कबीर ने इस वीडियो को लेकर सफाई देते हुए कहा कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार गया है।

लेबनान में इज़रायली हमलों पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। भारत ने लेबनान में इजराइल के हमले में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत पर शुक्रवार को गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत का हमेशा जोर रहा है कि आम नागरिकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम एशिया के हालात पर भारत की इस मुद्दे पर पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया है।

तेलंगाना माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से मुक्त घोषित

हैदराबाद, 10 अप्रैल। तेलंगाना को माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से पूरी तरह मुक्त घोषित हो गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवाधर रेड्डी ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आज सीपीआई (माओवादी) से जुड़े शीर्ष कमांडर और 42 हथियारबंद नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

शीर्ष माओवादी नेता सोडी मल्ला उर्फ केशल उर्फ निखिल ने अपने दस्ते के साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। इस दस्ते में शामिल 42 कैडरों के आत्मसमर्पण के साथ ही पुलिस ने राज्य में माओवादी संगठनात्मक ढ ांचा पूरी तरह खत्म होने की घोषणा कर दी। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशकबी. शिवाधर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया गया है और राज्य में नक्सलवाद का सशस्त्र स्वरूप पूरी तरह समाप्त हो गया है। डीजीपी ने बताया कि मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति, जो 2007 से सक्रिय गतिविधियों से दूर है, को छोड़कर तेलंगाना से जुड़े प्रमुख माओवादी चेहरों का लगभग अंत हो चुका है। उन्होंने तेलंगाना सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की ओर से शेष पांच कैडरों-मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति (सीसीएम), पासनुरी नरहरी उर्फ संतोष (सीसीएम), जाडे रत्ना बाई उर्फ सुजाता (एससीएम), वार्था शेखर उर्फ मंगथु (एससीएम)और रंगाबोइना भाग्य उर्फ रूपी (एसीएम) से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

- 42 कैडरों ने एक साथ डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

दो कारों की टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

कांकेर, 10 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरूवार देर रात हुआ हादसा

से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। परिवार कांकेर के उड़कुडा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चीवरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुडा लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कारें तेज रफ्तार में थीं और टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

गगनयान मिशन के लिए दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट का सफल परीक्षण

वैज्ञानिकों ने इस दौरान क्रू मॉड्यूल की रिकवरी सिस्टम का परीक्षण लिया

श्रीहरिकोटा, 10 अप्रैल। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने अपनी उपलब्धियों में एक और सितारा जोड़ लिया है। बता दें कि स्पेस एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस स्टेशन पर गगनयान मिशन का दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-02) सफलतापूर्वक पूरा किया है। वैज्ञानिकों ने इस दौरान क्रू मॉड्यूल की रिकवरी सिस्टम का परीक्षण लिया। बता दें कि इस सफल परीक्षण का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस से धरती पर लौटते समय सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

- इसरो ने अपनी बेवसाइट में बताया कि इस सफल परीक्षण में इंडियन एयर फोर्स के चिनूक हेलीकॉप्टर ने लगभग 5.7 टन वजन का एक आर्टिफीशियल क्रू मॉड्यूल को तकरीबन 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठाया। इसे श्रीहरिकोटा तट के पास समुद्र में निर्धारित ड्रॉप जोन पर छोड़ा गया।

इसरो ने अपनी बेवसाइट में बताया कि इस सफल परीक्षण में इंडियन एयर फोर्स के चिनूक हेलीकॉप्टर ने लगभग 5.7 टन वजन का एक आर्टिफीशियल क्रू मॉड्यूल को तकरीबन 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठाया। इसे श्रीहरिकोटा तट के पास समुद्र में निर्धारित ड्रॉप जोन पर छोड़ा गया।

स्पेस एजेंसी ने बताया कि क्रू मॉड्यूल के नीचे आने के दौरान 4 तरह के 10 पैराशूट एक सटीक क्रम में तैनात किए गए, जिससे सेफ लैंडिंग के लिए स्पीड धीरे-धीरे कम होती गई।

स्पेस एजेंसी के मुताबिक इसके बाद भारतीय नौसेना के कॉर्डिनेशन से आर्टिफीशियल मॉड्यूल को सफलतापूर्वक वापस रिकवर किया गया। आईएडीटी-02 परीक्षण ने क्रू मॉड्यूल में पैराशूट बेस्ड डेकलेरेशन सिस्टम को वेरिफाई किया है। इसरो ने बताया कि यह परीक्षण गगनयान जी1 मिशन की तैयारियों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसमें भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और डीआरडीओ की भागीदारी रही।

बता दें कि इसरो की इस उपलब्धि से यह पता चलता है कि क्रू मॉड्यूल का रिकवरी सिस्टम असल परिस्थिति में प्रभावी ढ ंग से काम कर सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस तरह के परीक्षण एस्ट्रोनॉट्स की सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि मिशन के दौरान किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में यह उनकी जान बचाने के काम आ सकता है। इस सफल परीक्षण से वाकई में भारत को गगनयान मिशन की आगे की तैयारी के लिए काफी बल मिला है।

महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर देशव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) से जुड़े विषयों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस संबंध में शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय विस्तार भवन में कई बैठकें की गई।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठक की, जिसमें महिला आरक्षण से संबंधित राष्ट्रव्यापी अभियानों की रूप-रेखा और आगामी सांगठनिक रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इसमें भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, देशभर के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान महिला आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में भाजपा के कार्यक्रमों के आयोजन की रूप-रेखा तैयार करने के लिए नेताओं को निर्देश भी दिए गए ताकि अधिनियम के बारे में सभी लोगों को जानकारी मिले।

मुंबई एयरपोर्ट पर 37 करोड़ रुपये का सोना जब्त

मुंबई, 10 अप्रैल। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनके पास से 29.37 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 37.74 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट ने बुधवार को ऑपरेशन धाहाबू ब्लिट्ज चलाया। इसे इस वर्ष मुंबई एयरपोर्ट पर हुई सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। धाहाबू स्वाहिली भाषा में सोने को कहा जाता है।

अधिकारियों ने बताया, डीआरआई को सूचना मिली थी कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिलाएं अपने साथ सोना छिपाकर ला रही हैं। इसके बाद नैरोबी से मुंबई पहुंची 24 विदेशी महिलाओं को रोका गया।

- केन्या के नैरोबी से आने वाली 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया

उनकी जांच के दौरान बैग और कपड़ों से 25.10 किलोग्राम सोने की ईंटें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए।

जांच में सामने आया कि इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बच निकलने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक सुनियोजित तस्करी गिरोह है, जो ऐसे कैरियर के जरिए एयरपोर्ट सुरक्षा को चकमा देने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं को अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि तस्करी रैकेट के सरगनाओं को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

विचार बिन्दु

अज्ञानी के लिए खामोशी से बढ़कर कोई चीज़ नहीं और यदि उसमे यह समझने की बुद्धि हो तो वह अज्ञानी नहीं रहेगा। –शेख सादी

प्रिंट मीडिया की प्रामाणिकता आज भी कायम

लगता है युवाओं ने प्रिंट मीडिया से अपनी दूरी बना ली है। आज बच्चों से युवाओं तक के हाथ में अख़बार या पुस्तक नहीं मिलती है। ये मोबाइल से लैस होते है। एक सर्वे के अनुसार आज भी अखबार 50 वर्ष से ऊपर के 72 प्रतिशत लोग पढ़ना पंसद करते हैं। 18–30 वर्ष के समाचार को 85 प्रतिशत युवाओं ने डिजिटल समाचार को चुना जिसमें न्यूज ऐप्स सोशल मीडिया ई पेपर इसके प्रमुख स्त्रोत है। युवाओं में डिजिटल की सुविधा है, मगर फेक न्यूज का खतरा भी सबसे ज्यादा वहीं है। सर्वे के मुताबिक डिजिटल मीडिया ने मजबूत जगह बना ली है, लेकिन प्रिंट मीडिया की पकड़ अब भी ढीली नहीं हुई है। मीडिया के बदलते स्वरूप के बावजूद आज भी प्रिंट मीडिया की प्रमाणिकता कायम है। युवा अपनी सुविधाओं के लिए डिजिटल उपयोग कर रहे है, जबकि अखबार की प्रमाणिकता आज भी कायम है। डिजिटल युग के तेज विकास के बावजूद प्रिंट माध्यमों का सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक क्षेत्र में महत्त्व आज भी कायम है। समाचार–पत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें ऐसी विश्वसनीय सामग्री प्रदान करती हैं, जो गहराई और तथ्यों पर आधारित होती हैं।

आखिर यह प्रिंट मीडिया है क्या, इसकी जानकारी होनी जरुरी है। प्रिंट मीडिया मुख्य रूप से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाचार बताने का मुद्रित संस्करण है। प्रिंट मीडिया वह मीडिया है जो हमें लिखित जानकारी देता है। आज का युवा अख़बार का मतलब मोबाइल ही समझता है। वह अख़बार के स्थान पर मोबाइल पर ख़बरें देखना ज्यादा पसंद करता है। पुस्तकों से भी उसने दूरी बना ली है। प्रिंटिंग प्रेस से पहले, ज्ञान मौखिक रूप से या महंगी हस्तलिखित पुस्तकों के माध्यम से फैलता था लेकिन अब प्रिंटिंग प्रेस ने लोगों को पहले से कहीं ज्यादा तेजी से शिक्षित करना संभव बना दिया। आज नए विचारों और ज्ञान को पुस्तकों या समाचार पत्रों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा किया जा सकता है। प्रिंट मीडिया के प्रमुख साधनों में, दैनिक समाचार पत्र, पत्रिका, पुस्तकें, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर,फ्लावर, लीफलेट न्यूज़लेटर्स और पोस्टकार्ड शामिल है।

अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं । पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं । पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है । मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए। अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती है और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं । एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं।

स्कूल और कॉलेज में लाइब्रेरी जरूर है, जहाँ अख़बार और पुस्तकें बहुतायत से सुलभ होती है मगर उसमें जाने का समय विद्यार्थी के पास नहीं है। कक्षा में विषयों के पीरियड अवश्य होते है खेलकूद का भी समय होता है मगर अख़बार या पुस्तक पढ़ने अथवा पुस्तकालय का कोई पीरियड नहीं होता। अध्यापक भी बच्चों को अख़बार, पुस्तक या सद साहित्य पढ़ने संबंधी कोई जानकारी नहीं देते। यही कारण है कि इन्टरनेट के इस युग में हम मुद्रित सामग्री को भूल गए है। पढ़ने का मतलब इस संचार क्रांति में इन्टरनेट ही रह गया है युवा चौबीसों घंटे हाथ में मोबाइल लिए इन्टरनेट पर चोट करते मिल गाएंगे। वे पुस्तक से परहेज करने लगे है मगर मोबाइल को रिचार्ज करना नहीं भूलते। उन्हें घर या बाहर यह बताने वाला कोई नहीं है की अख़बारों और पुस्तकों का भी अपना एक संसार है। वे प्रेमचंद की किसी पुस्तक के बारे में नहीं जानते। कॉमेडियन कपिल के शो के बारे में जरूर जानते है मगर शरत चंद्र या हरिशंकर परसाई की किसी शख़्शियत से वाकिफ नहीं है। उन्हें पुस्तक अथवा पुस्तक की महिमा से कोई लेना देना नहीं है। वे पुस्तक मेले में जाना नहीं चाहते। वे किसी अच्छे मॉल में जरूर जाना चाहते है जहाँ उन्हें अपनी मन पसंद खाने–पीने और पहनने की वस्तु मिल जाये। वे टीवी जरूर खोलते है मगर न्यूज़ चैनल नहीं देखते। या तो स्पोर्ट्स चैनल खोलेंगे अथवा कोई सीरियल या फिल्म देखना पसंद करेंगे। ओ है। टीटी प्लेटफॉर्म पर जरूर जायेंगे। न्यूज़ से अपना कोई वास्ता नहीं रखेंगे। न्यूज़ केवल वे ही देखेंगे जो किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी में जुटे है।

जमाना जिस तेजी से बदल रहा है उसे देखते हुए लगता है किताब अब गुजरे जमाने की चीज रह जाएगी अब उन्हें कौन समझाएं की उसके अभिभावक पुस्तक के ज्ञान को सहेज कर आगे बढे है। अब तो गली मोहल्ले में कोई वाचनालय या पुस्तकालय भी नहीं है। जहाँ शांति से बैठकर पढ़ा जाये। यदि कहीं ऐसी जगह भूल से मिल भी जाये तो उनका मोबाइल उसे पढ़ने नहीं देगा। आखिर वह कैसे पुस्तक के बारे में कैसे जाने औए ज्ञान प्राप्त करें।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार है । पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं । इनमें लेखकों के जीवन भर के अनुभव भरे रहते हैं । यदि कोई परिश्रम करे और अनुभव प्राप्त करने के लिए जीवन लगा दे और फिर उस अनुभव को पुस्तक के थोड़े से पन्नों में दर्ज कर दे तो पाठकों के लिए इससे ज्यादा लाभ की बात क्या हो सकती है । अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं । पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं । पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है । मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए । अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती है और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं । एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं । हमारे जीवन को महत्वपूर्ण बनाने में पुस्तक का सबसे ज्यादा योगदान होता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान–प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 11 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 1:40 तक, सिद्ध योग सायं 6:39 तक, तैतिल करण दिन 11:57 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज शनि उदय पूर्व में रात्रि 12:05 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:20 तक, चर 12:28 से 2:02 तक, लाभ–अमृत 2:02 से 5:11 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:45

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में वाणी की कटुता के कारण वाद–विवाद हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

तुला
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

महात्मा ज्योतिराव फुले: भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म–जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है। महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है। अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, **''जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही''**–यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है। उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया। भारतभूमि बार–बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।

मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ।

महिलाओं की शिक्षा के प्रेरणा पुंज 'ज्योतिबा फुले'

डॉ. मनोज कुमार बहरवाल

विद्या बिना मति गयी मति बिना नीति गयी,
नीति बिना गति गयी, गति बिना वित्त गया,
वित्त बिना शूद्र गये, इतने अनर्थ एक अविद्या ने किये!

ज्योतिबा फुले का यह ध्येय वाक्य मानव जाति के सांगोपांग विकास का मन्त्र है। व्यक्ति हो अथवा समाज या राष्ट्र अथवा विश्व सभी के सर्वंगीण विकास में ज्योतिबा फुले के यह विचार आज भी प्रासंगिक हैं। 11 अप्रेल 1827 को पुणे में एक व्यक्ति का जन्म हुआ जिसे महात्मा ज्योतिबा कहा गया। फुले नाम इस कारण पड़ा कि उनका परिवार फूल माली का काम करता था। वे सतारा से पूना आकर बसे थे। बाल्यकाल में ही आपकी माता जी का निधन हो गया। आपका पालन–पोषण एक बाई ने किया। आपने प्रारम्भिक शिक्षा मराठी माध्यम से की। कुछ विकट परिस्थितियों के कारण अध्ययन बीच में ही छोड़ना पड़ा। शिक्षा की लगन और महत्व के कारण 21 वर्ष की आयु में ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की आयु में अंग्रेजी माध्यम से 7 कक्षा की पढाई पूरी की। इनका विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ, जो बाद में स्वयं एक प्रसिद्ध समाजसेवी बनीं। दलित और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र फुले दम्पति ने बहुत काम किया और कर्मठता से समाज की सेवा की।

महात्मा जी ने मिलकर विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए अथक कार्य किया। इसके साथ ही किसानों की दयनीय दशा सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी अथक प्रयास किये।

स्त्रियों की शैक्षणिक दशा सुधारने और महिला शिक्षा उन्नयन के लिए फुले ने 1848 में एक पाठशाला का शुभारम्भ किया। यह भारत की प्रथम बालिका पाठशाला थी। तत्कालीन समाज इतना जड़ बुद्धि था कि इन लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए। तत्कालीन पुरातनपंथी समाज के लोगों ने उनके पिता पर दबाब डालकर पति–पत्नी को घर से निष्काषित करवा दिया। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत! इस वाक्य का प्रतिबिम्ब रहे महात्मा फुले। थोड़े समय के लिए बालिका शिक्षा का कार्य अवरुद्ध रहा। परन्तु फुले ने हिम्मत नहीं हारी अपने अथक प्रयासों से उन्होंने शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल ओर प्रारम्भ किये।

भारत के सभी संतों की व्यक्तित्व और कृतित्व का गहन अध्ययन ज्योति बा ने किया और उन सभी ज्ञानात्मक पक्ष को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संतों के दार्शनिक अध्ययन के बाद आपको यह तात्विक ज्ञान मिला कि जब ईश्वर के सामने सब नर–नारी समान हैं तो उनमें ऊँच–नीच का भेद क्यों होना चाहिए? निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की। आपकी निर्धनों के प्रति और निर्बलों के प्रति समाज सेवा की सच्ची भावना को देखकर 1888 में मुम्बई में एक सभा में आपको महात्मा की उपाधि से सम्मानित किया गया।

ज्योति बा ने पुरोहित पंथी का विरोध किया ब्राहमणवाद का विरोध किया और इनके बिना ही शादी ब्याह करवाए और उनके इस कार्य को मुम्बई उच्च न्यायालय ने मान्यता प्रदान की। आपने बड़ी ही बुलन्द आवाज से बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन भी किया। आपने अनेक पुस्तकों जैसे कि गुलामगिरी, तृतीय रत्न, छत्रपति शिवाजी, राजा भोसला का पखड़ा, किसान का कोड़ा, अछूतों की कैफियत आदि–आदि। आपने किसानों के हित में संघर्ष किया और आपके अथक प्रयासों के कारण ही तत्कालीन सरकार ने 'एग्रीकल्चर एक्ट' पारित किया। धर्म, समाज, और आडम्बरों के सत्य को वे समाज के सामने लेकर आए।

फुले के शैक्षणिक संघर्ष और उनकी महिलाओं के प्रति दूरगामी दृष्टि को देखकर तत्कालीन ब्रिटिश भारत सरकार ने 1883 में आपको 'स्त्री शिक्षण के आद्यजनक' समान सूचक शब्दों से उनका सम्मान किया और उनके गौरव में वृद्धि की। वर्तमान में भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में महिलाएं जो नेतृत्व कर रहीं हैं यह सभी की प्रेरणा के पुन्ज महात्मा ज्योति बा फुले ही हैं।

आइए आज के इस पावन जन्म जयंति के अवसर पर हम सभी महात्मा फुले से प्रेरणा लेते हुए महिला / बालिका शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए पूरे मनोयोग से संकल्प लें और सदैव महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयास करें। यही है हमारी और हम सभी की भारतीय संस्कृति। यही हमारी और आपकी तथा हम सभी की पहचान और शक्ति बने यही भाव हम सभी में जाग्रत हो। आप सभी को महात्मा ज्योति बा फुले की जन्म जयंती पर आप सभी को मंगलकामनाएं।

–डॉ. मनोज कुमार बहरवाल, प्राचार्य, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

महात्मा ज्योतिबा फुले : युग प्रवर्तक समाजोद्धारक

11 अप्रैल : महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विशेष.......

डॉ. अरुणा व्यास

आज ज्योतिबा फुले जयंती है। ज्योतिबा का अर्थ होता है, ज्ञान का प्रकाश। ज्योतिबा फुले ऐसे ही थे। प्रकाश की लौ समान उन्होंने समाज को अपने विचारों से, अपने कार्यों से सदा उजास दिया। उनके नाम के आगे महात्मा लगता है। महात्मा का अर्थ होता है, महान आत्मा। ज्योतिबा फुले ने मनसा, वाचा और कर्मणा सदा महानता को जिया। इसीलिए उन्हें देश के महान समाजसुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक और दार्शनिक के रूप में स्वीकारा गया।

यह महात्मा ज्योतिबा फुले ही थे, जिन्होंने निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना कर क्रांति का सूत्रपात किया। समाजसेवा के उनके आदर्श आचरण को देखकर ही 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। ज्योतिबा फुले कर्म में विश्वास करते थे। महिलाओं व पिछडे और अछूतो के उत्थान के लिये जीवन पर्यन्त उन्होंने कार्य किया। समाज में स्त्रियों की शिक्षा की उन्होंने अलख जगाई। स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करने के साथ उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया। विधवा विवाह का समर्थन किया और समाज की कुप्रथाओं और अंधश्रद्धा के प्रति लोगों को जागरूक किया। ऐसे दौर में जब स्त्रियों को शिक्षा नहीं दी जाती थी। ज्योतिबा फुले ने कन्याओं के लिए देश की पहली पाठशाला पुणे में स्थापित की। उन्होंने 1848 में कन्या स्कूल खोला। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाब डालकर पति–पत्नी को घर से निकलवा दिया। इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को स्वयं शिक्षा प्रदान की। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला अध्यापिका थीं। विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी उन्होंने बहुत काम किया। इसके अलावा किसानों की हालत सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी निरंतर प्रयास किए। ऐसे महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्यों से हम–सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। ज्योतिबा फुले ने जाति आधारित भेदभाव के समापन के लिए आजीवन लड़ते रहे। यह ऐसे ही नहीं हुआ। असल में वर्ष 1848 में उनके साथ एक ऐसी घटना घटी जिसने उन्हें झकझोर दिया। वह अपने एक मित्र के विवाह में शामिल होने के लिए गए थे। मित्र उच्च कुल का था और विवाह समारोह में उनके साथ अपमानित व्यवहार हुआ। उन्होंन तभी तय कर लिया जाति व्यवस्था की इस कुप्रथा को वह जड़ से समाप्त करेंगे। यही बाद में हुआ भी। उन्होंने शुरुआत कहीं और से नहीं अपने ही घर से की। दलितों को अपने घर के कुंए को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। दलितों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए भी उन्होंने आंदोलन चलाया। उनका मानना था कि यदि आजादी, समानता, मानवता, आर्थिक न्याय, शोषणरहित मूल्यों और भाईचारे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है तो असमान और शोषक समाज को उखाड़ फेंकना होगा।

ज्योतिबा फुले युग से आगे की सोच रखते थे, इसीलिए महिला सशक्तीकरण को उन्होंने सबसे अधिक प्रधानता दी। विधवा विवाह का समर्थन किया। इसी संदर्भ में उन्होंने 1854 में विधवाओं के लिए एक आश्रम भी बनवाया। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए नवजात शिशुओं के लिए भी एक आश्रम खोला।

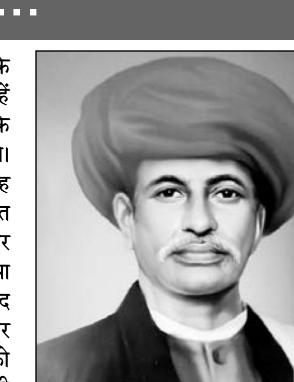

महात्मा ज्योतिबा फुले

–डॉ. अरुणा व्यास, पर्यावरण, शिक्षा और और संस्कृति अध्येता

स्वच्छता के क्षेत्र में किया गया कार्य आपको अमर करता है : के. के. गुप्ता

करौली (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के राज्य ब्रांड एम्बेसडर के. के. गुप्ता शुक्रवार को करौली के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सभी नगर निकायों एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ ज़िला कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली।

बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें आमजन, स्थानीय निकाय, स्वयंसेवी संगठन मिलकर स्वच्छता का कार्य कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति न केवल जागरूकता बढ़ी है बल्कि जीवन स्तर में सुधार देखने को मिला है।

उन्होने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में स्वच्छता के सम्बन्ध में पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए प्रदेश को अग्रिाम पंक्ति में लाने का प्रयास कर रहे हैं और इसके सम्बन्ध में नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से न केवल व्यक्ति स्वस्थ रहता है बल्कि उसकी उम्र भी बढ़ती है। किसी भी क्षेत्र के विकसित और समृद्ध होने के साथ साथ स्वच्छ होना भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सफाई सिर्फ अभियान नहीं, आदत बने मानसिकता बदलाव पर फोकस होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन शहर और ग्रामीण में राजस्थान प्रदेश को उत्कृष्ट स्थान पर देखने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि स्वच्छता के कार्यों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी जीरो टॉलरेंस नीति के साथ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं निगरानी रखी जा रही है वहीं विभाग के उच्च स्तर तक भी मॉनिटरिंग रखते हुए प्रत्येक छोटे-बड़े निकाय के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़े हुए हैं, इनके द्वारा प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के यह भी सख्त आदेश है कि प्रदेश के सभी धार्मिक और पर्यटन स्थल भी स्वच्छ और सुंदर रहने चाहिए। यहां किसी भी प्रकार की गंदगी और अव्यवस्थाएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी। करौली ज़िले में कैला देवी मंदिर है, जो देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। यह मंदिर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र में भी सम्मिलित है। यहां स्वच्छता होनी चाहिए तथा मंदिर तक पहुंचाने का स्थान सड़क आदि सुव्यवस्थित होनी चाहिए जिसको लेकर ज़िला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पंचायत समिति के विकास अधिकारी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित ज़िला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन शहर 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए धरातल पर ठोस प्रयास किए जाने की आवश्यकता है वहीं, ब्रांड एंबेसडर गुप्ता साहब के दिए गए निर्देशों की शत प्रतिशत पालना की जाएगी।

श्रेणियों के आधार पर होगा स्वच्छता कार्यो पर्यवेक्षण : उन्होंने कहा कि सभी निकायों को स्वच्छता पर चल रहे कार्यो के आधार पर चार भागो में बाँटा गया है। ए श्रेणी के निकायो में अभी स्वच्छता के प्रति श्रेष्ठ कार्य चल रहा है। बी श्रेणी के निकायों में स्वच्छता के प्रति संतोषजनक कार्य किये जा रहे है। सी श्रेणी के निकायो में स्वच्छता के कार्यो के प्रति गंभीरता नहीं है सुधार के लिए चेतावनी दी जानी आवश्यक है। डी श्रेणी के निकायों में सख्त कारवाई की आवश्यकता है।

स्वच्छता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु दिए 5 सूत्र : बैठक के दौरान उन्होंने स्वच्छता के मुख्य बिन्दुओं पर बल देते हुए कहा कि अगर 5 मुख्य सूत्रों को अपना लिया जाए तो शहर स्वच्छ और सुंदर बनाए जा सकते है। उन्होंने कहा कि नियमित समय बद्ध रूप डोर टू डोर कचरा संग्रहण के माध्यम से गीला एवं सूखा अलग-अलग प्रात: 10 बजे से पहले कचरा संग्रहण कार्य किया जाए। साथ ही प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग रोकते हुए नियमित रोकथाम की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक शौचालय एवं मूत्रालयों की सफाई दिन में तीन बार होनी चाहिए। रंग रोंगन तथा पानी की व्यवस्था सुचारू होनी चाहिए। रात्रि रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कॉमर्शियल क्षेत्र में रात्रिकालीन सफाई नियमित होनी चाहिए। एक व्यक्ति को 400 मीटर से ज्यादा की सफाई नहीं दी जावे। रेडियम की जैकेट कर्मचारी पहने हुए होने चाहिए। उन्होंने कहा कि खाली प्लॉट में लोग आदतन गंदगी डाल देते है ऐसे में अखबार में विज्ञिप्त के माध्यम से सभी खाली प्लॉट को साफ करने हेतु सूचना जारी करे तथा 3 दिन में सफाई न करने पर निकाय अपने स्तर पर सफाई करवाए तथा 10 गुणा तक जुर्माना वसूल करे।

अन्यथा प्लाट को सीज करने तक की कार्यवाही करे। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिड़वाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी लाखन सिंह, पीएचईडी के अधीक्षण्ड़ अभियन्ता प्रकाश चन्द मीना, उपखण्ड अधिकारी एवं नगरपरिषद् आयुक्त प्रेमराज मीना, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक निदेशक धर्मेन्द्र मीणा एवं नगरीय निकायों के अधीशाषी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर भरतपुर में भव्य आयोजन

भरतपुर (निसं)। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आज भरतपुर में होम्योपैथिक चिकित्सक वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार ,सीओ सिटी भरतपुर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल हैनीमैन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा नई कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं तथा सभी को शपथ दिलाई गई। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ रविन्द्र कुन्तल, महासचिव चिराग गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ कुलदीप गोयल, प्रवक्ता डॉ वैशाली कुंतल, मीडिया प्रभारी डॉ हिमांशु चौधरी, पीआरओ डॉ रोहित चौधरी एवं प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ अंकुर सिंह को दायित्व दिए गए कार्यक्रम का संचालन डॉ हरीश कुमार द्वारा किया गया। ट्रस्ट के संरक्षक डॉ एस एस अठावाल, डॉ रघुनाथ पचेरा, डॉ सुरेंद्र सिंह नरवरिया, डॉ महावीर सिंह रघुवंशी, डॉ धीरेंद्र सिंह, डॉ एकता, डॉ जोगेंद्र, डॉ राममोहन गुप्ता, डॉ हरीश कुमार, डॉ रविन्द्र कुन्तल, डॉ चिराग गुप्ता, डॉ कुलदीप गोयल, डॉ अंकुर सिंह,डॉ हिमांशु चौधरी, डॉ उमेश, डॉ रोहित, डॉ अमित, डॉ ध्रुव, पुनीत मित्तल, रामेंद्र कौशिक एवं विजयपाल सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

सार-समाचार

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 13 अप्रैल को आयोजित होगा रोज़गार मेला

करौली (निसं)। उपनिदेशक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) करौली ने बताया कि प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के अंतर्गत 13 अप्रैल, सोमवार को संस्थान परिसर में अप्रेंटिसशिप (रोजगार) मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मेले के माध्यम से देश की विभिन्न बड़ी प्रतिष्ठित कंपनियां और प्रतिष्ठान प्रशिक्षित युवाओं को अप्रेंटिसशिप के जरिए रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने सूचित किया है कि मेला प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें डिप्लोमा या आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक खाता विवरण, शैक्षिणक प्रमाण पत्र एवं नवीनतम बायोडाटा अनिवार्य रूप से लाना होगा। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

अप्रैल माह का रात्रि चौपाल कार्यक्रम जारी

करौली (निसं)। ज़िला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने आदेश जारी कर बताया कि अप्रैल माह में होने वाली रात्रि चौपाल कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार, 17 अप्रैल को पंचायत समिति हिण्डौन ठााम पंचायत बाजना कलां, गुरुवार 23 अप्रैल को पंचायत समिति श्रीमहावीरजी की ठााम पंचायत पालनपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल को पंचायत समिति टोडाभीम की ठााम पंचायत शहराकर तथा गुरूवार, 30 अप्रैल को पंचायत समिति सपोटरा की ग्राम पंचायत लेदिया में सायं 6 बजे से रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

शौर्ट सर्किट से ट्रक में लगी आग

रूपवास, भरतपुर (निसं)। रूपवास क्षेत्र के भरतपुर मार्ग स्थित बर पीपर मोड़ पर भरतपुर में केला खाली कर रूपवास की ओर आ रहें एक छोटे ट्रक में शौर्ट सर्किट से आग लग गई। जिसकी जानकारी मिलने पर रूपवास नगरपालिका से पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। गहनौली थानाधिकारी कृष्णवीर सिंह ने बताया कि फोन पर सूचना मिली कि बर पीपर मोड़ पर एक ट्रक में आग लग गई है। जिस पर रूपवास नगरपालिका की दमकल को सूचना देकर मय जाप्ते के मौके पर पहुंच गए। ट्रक के ड्राइवर शब्बीर पुत्र नैहने निवासी जरदारी फतेहाबाद ने बताया कि मैं भरतपुर में केला खाली कर अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान बर पीपर मोड़ पर अचानक शौर्ट सर्किट होने से धूंआ निकलने लगा। जब तक मैं कुछ समझता केबिन में आग लग गई। मैं कूदकर बाहर निकल गया। जब तक दमकल पहुंचीं तब तक आग ने आगे के टायरों व केबिन को जला दिया। दमकल ने आकर पीछे के हिस्से पर पानी डाल आग पर काबू पाया। इस दौरान एएसआई राजेंद्र चाहर, उदय सिंह, दमकलकर्मी राजन सिंह, थान सिंह, दीपक शर्मा, धर्मेंद्र चौधरी आदि मौजूद थे।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

करौली (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा दिए जाने वाले इस पुरस्कार के लिए पात्र व्यक्ति एवं संस्थाएं नेशनल अवाड्र्स पोर्टल पर अपना नामांकन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार प्रतिवर्ष 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर घोषित किया जाता है। आवेदनकर्ता समय पर आवेदन जमा कराए। जिससे स्कूटनी की जा सके। उन्होंने बताया कि कोई भी भारतीय नागरिक या संस्थान, जिसने आपदा निवारण, तैयारी, राहत, बचाव और पुनर्वास के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा की है, इस पुरस्कार के लिए पात्र है। नामांकन की प्रक्रिया पूरे वर्ष खुली रहती है और आवेदक स्वयं का नामांकन या किसी अन्य व्यक्ति अथवा संस्था का नाम प्रस्तावित कर सकते हैं।

सार-समाचार

गर्मी व लू-तापघात से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

करौली (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने आगामी दिनों में गर्मी के बढ़ते प्रकोप और लू-तापघात (हीट वेव) की आशंका को देखते हुए आमजन के बचाव एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनसाधारण से अपील की है कि वे भीषण गर्मी में लू के लक्षणों जैसे सिर का भारीपन, अधिक प्यास लगना, शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी मिचलाना शरीर का उच्च तापमान (105व फारेनहाइट या अधिक), पसीना आना बंद होना और बैचेनी जैसी स्थितियों के प्रति सतर्क रहें तथा लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी चिकित्सा केंद्र से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि लू-तापघात से बचाव के लिए आमजन विशेषकर बच्चे, वृद्ध, गर्भवती महिलाएं दोपहर 10 बजे से सायं 6 बजे तक तेज धूप में निकलने से बचें और यदि बाहर निकलना आवश्यक हो, तो ताजा भोजन एवं पर्याप्त मात्रा में ठंडे पेयजल का सेवन कर ही निकलें। उन्होंने बाहर निकलते समय छाते का उपयोग करने या सिर व बदन को कपड़े से ढंकने की सलाह दी है। गंभीर रोगियों के उपचार हेतु जिला स्तर पर चिकित्सा संस्थानों के वार्डों में कूलर-पंखों की व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और आपातकालीन किट जिसमें ओआरएस, ड्रिपसेट एवं आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां शामिल हैं, उन्हें तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी विभागों के समन्वय से लू-तापघात से बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में आमजन को त्वरित चिकित्सा सुविधा मिल सके।

ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर पर्यवेक्षक किए नियुक्त

करौली (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय गोदारा ने बताया कि राजस्थान बार काउंसिल के आगामी चुनाव को सुगम, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु जिले में स्थापित विभिन्न मतदान केंद्रों पर पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के विधि एवं विधिक कार्य विभाग के निर्देशानुसार आगामी 22 अप्रैल को आयोजित होने वाले इन चुनावों के लिए मतदान केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सूचित किया कि करौली मतदान केंद्र के लिए उपखण्ड अधिकारी प्रेमराज मीणा, हिण्डौन के लिए उपखण्ड अधिकारी हेमराज गुर्जर, श्रीमहावीरजी केंद्र हेतु सहायक कलेक्टर प्यारेलाल सोठवाल, नादौती के लिए उपखण्ड अधिकारी काजल मीणा तथा टोडाभीम मतदान केंद्र के लिए उपखण्ड अधिकारी अमन चौधरी को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने सभी नियुक्त पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अपने साथ एक मंत्रालयिक कर्मचारी तथा एक सहायक कर्मचारी की नियुक्ति सुनिश्चित करें, जो निर्वाचन प्रक्रिया की आधारभूत जानकारी रखते हों। उन्होंने बताया कि सभी पर्यवेक्षक आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखेंगे।

बाल विवाह शिकायत के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

करौली (निसं)। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने बताया कि अक्षय तृतीया एवं पीपल पूर्णिमा के अवसर पर होने वाले बाल विवाहों की रोकथाम के संबंध में प्राप्त शिकायतों एवं उन पर तत्परता से कार्यवाही की दृष्टि से कलेक्ट्रेट करौली स्थित एन.आई.सी. के विड़ियो कॉफ्रेन्स रूम में 30 जून तक नियन्त्रण कक्ष की स्थापना की गयी है। उन्होंने बताया कि नियन्त्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 07464-251335 है। इस संबध में उन्होंने बताया कि इस हेतु उपखण्ड अधिकारी प्रेमराज मीणा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है जिनका मोबाइल नम्बर 9414486950 है इन पर बाल विवाह से संबंधित सूचना दे सकते है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर सख्ती: सूचना देने पर मिलेगा नकद पुरस्कार

करौली (निसं)। राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा एकल उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होने के बावजूद इसके उत्पादन, भंडारण एवं उपयोग को रोकने के लिए अब सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहन आधारित पुरस्कार योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

- **प्रतिबंधित प्लास्टिक के उत्पादन, भंडारण व बिक्री पर कड़ी कार्रवाई, आमजन से सहयोग की अपील**

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय सवाई माधोपुर के क्षेत्रीय अधिकारी बलजीत मीणा ने बताया कि प्लास्टिक कैरी बैग, प्लास्टिक स्टिक वाले इयर बड्स, थर्माकोल सजावटी सामठाी, प्लास्टिक कप-गिलास, कटलरी, स्ट्रॉ, पैकेजिंग फिल्म एवं निर्धारित माइक्रोन से कम मोटाई वाले कैरी बैग सहित विभिन्न सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। प्रथम योजना के अंतर्गत जिले में प्रतिबंधित प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की सटीक जानकारी देने वाले व्यक्ति को 15,000 रूपए तक का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वहीं द्वितीय योजना के तहत भंडारण, परिवहन अथवा बिक्री से संबंधित सूचना पर कार्रवाई के दौरान पर्याप्त मात्रा में जब्ती होने पर 10,000 रूपए तक का पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी। प्रशासन द्वारा जब्त प्रतिबंधित प्लास्टिक पर प्रति क्विंटल 1000 रूपए का जुर्माना भी निर्धारित किया गया है। यह कार्रवाई स्थानीय स्वशासन, परिवहन एवं संबंधित विभागों के समन्वय से की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक से संबंधित जानकारी दूरभाष नंबर 9461239662 या 07462-294921 पर साझा करें। यह पहल स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

शिक्षक संगठन रेसला का प्रदेशव्यापी आंदोलन

भरतपुर (निसं)। राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ (रेसला) की ओर से शिक्षा विभाग द्वारा शिविरा पंचांग में शिक्षकों के अवकाश में कटौती किए जाने के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन की घोषणा कर दी है।आंदोलन के प्रथम चरण की शुरुआत प्रदेश के समस्त विद्यालयों से हुई, जहां शिक्षकों ने अपने हाथों पर काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया तथा सांकेतिक रूप से सरकार को चेतावनी दी कि यदि अवकाश कटौती को वापस लेकर विद्यालय संचालन 20 जून के स्थान पर 1 जुलाई से प्रारंभ नहीं किया गया, तो शिक्षक उठा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रथम चरण के व्यापक प्रभाव पर रेसला के जिलाध्यक्ष राजेश चौधरी ने बताया कि शिक्षकों में अवकाश कटौती को लेकर गहरी नाराज़गी है।

छात्रों के साथ आरयूआईडीपी का जागरुकता सत्र आयोजित

भरतपुर (निसं)। आरयूआईडीपी, भरतपुर की सामुदायिक जागरुकता एवं जन सहभागिता इकाई (कैप) द्वारा राजुल कुमार, अधिषाषी अभियन्ता के मार्गदर्षन में विद्यार्थी जागरुकता कार्यक्रम अन्तर्गत सेवर रोड स्थित गोकुल वर्मा राजकीय पोलोटेक्निक छात्र-छात्राओं को आरयूआईडीपी परियोजना के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार की जानकारी साझा करने के उद्देश्य से जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया।

जागरुकता सत्र में सोषल एक्सपर्ट मनीष कटारा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें भरतपुर शहर में आरयूआईडीपी द्वारा सम्पादित किये जा रहे सीवरेज एवं शहरी सौन्दृयीकरण परियोजना कार्यो के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर इनके लाभों के साथ-साथ रख-रखाव के विषय में चर्चा की। उन्होंने बताया कि सीवरेज प्रणाली सामुदायिक स्वच्छता और गन्दे पानी के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये अत्यन्त लाभदायक है।

प्रत्येक शहरवासी को समझना चाहिये कि स्वच्छता को वातावरण विकसित करने में सीवरेज प्रणाली बहुत सहायक है साथ ही सीवरेज प्रणाली का समुचित लाभ लेने के लिये हमें किन बातों की सावधानी रखना जरुरी है। इसके अलावा जागरुकता सत्र में परियोजना निर्माण कार्य की प्रेक्टिकल जानकारी प्राप्त करने के लिये छात्रों द्वारा नगला गोपाल स्थित निर्माणाधीन एस.टी.पी. विजिट का सुझाव दिया गया साथ ही इंजिनियरिंग/पोलोटेक्निक कॉलेजों में अध्ययनरत् छात्राओं को आरयूआईडीपी द्वारा इन्टर्नषिप कराये जाने पर भी चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि इन्टर्नषिप पश्चात् छात्राओं को प्रमाण-पत्र के साथ-साथ चौबिस हजार रुपये की प्रोत्साहन राषि भी प्रदान की जाती है।

गर्मी व लू-प्रकोप से गौवंश के बचाव हेतु कलेक्टर ने जारी की एडवाइजरी

करौली (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने प्रदेश में बढ़ते तापमान और आगामी ठाीष्म ऋतु के मद्देनजर गोवंश को लू-प्रकोप (हीट वेव) से बचाने के लिए एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है।

उन्होंने राजस्थान गो सेवा आयोग के निर्देशों के क्रम में अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे गोवंश को गर्मी के घातक प्रभावों से बचाने के लिए धरातल पर प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि पशुपालकों को जागरूक किया जाए कि वे दोपहर के समय गोवंश को सीधी धूप से बचाकर हवादार व छायादार शेड या वृक्षों के नीचे रखें तथा गोवंश गृह पर घास-फूस या टाट डालकर उसे ठंडा रखने का प्रयास करें। उन्होंने पशुओं को दिन में कम से कम चार बार शुद्ध व ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने तथा संतुलित आहार के साथ खनिज मिश्रण देने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने पशुपालकों को परामर्श देते हुए बताया कि गर्मी के दौरान गोवंश को चराई के लिए केवल सुबह जल्दी या शाम को देर से ही बाहर भेजा जाए ताकि वे तीव्र धूप की चपेट में न आएं। यदि किसी पशु में अत्यधिक हांफना, मुंह से लार गिरना, सुस्ती या बेचौनी जैसे लक्षण दिखाई दें।

!! कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करौली !!

क्रमांक:-भ्रनिब्यूरो/करौली/2026/405 दिनांक:- 10.04.2026

नीलामी सूचना

कार्यालय अति. पु. अधी. भ्रनिब्यूरो करौली की अनुपयोगी सामग्री (लोहा, लकडी, प्लास्टिक एवं इलेक्ट्रनिक उपकरण) जिनका मूल्य 156526/- रूपये है, की नीलामी दिनांक 20.04.2026 समय 11 एएम पर कार्यालय में की जावेगी, बोली प्रतिभूति राशि 3000/- बोलीदाता को GST सर्टिफिकेट तथा ID लानी होगी। सफल बोलीदाता को GST स्वंय जमा कर चालान पेश करना होगा। विस्तृत शर्तें कार्यालय में देखी जा सकती है। (जगदीश भारद्वाज)

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करौली

!! कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली (राज.) !!

क्रमांक:-स्टोर/करौली/2026/72-79 दिनांक: 10.04.2026

खुली निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए स्टेशनरी/विविध सामग्री क्रय करने हेतु निम्नानुसार खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 16.04.2026 को कार्यालय समय में उपस्थित होकर निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। नियत दिनांक एवं समयोपरान्त प्राप्त निविदाऐ अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐ अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐं दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक जमा कर, दिनांक 16.04.2026 को 02.00 पी.एम. पर समस्त निविदादातों के समक्ष खोली जावेगीं।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित राशि	निविदा फार्म	धरोहर राशि
1.	वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए स्टेशनरी/विविध सामग्री क्रय करने हेतु दरों का वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध	05.00 लाख	500/- रू.	10000/रू.

नोट:-बिड प्रपत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज निर्धारित बिड प्रपत्र शुल्क कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली में किसी भी कार्य दिवस को पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक जमा करवाकर दिनांक 16.04.2026 को प्रात: 11.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं या वेबसाईट karaulipolice.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurment Portal से भी डाउनलोड किया जा सकता है डाउनलोड किये गये बिड प्रपत्र का प्रारूप निर्धारित शुल्क बिड दाता द्वारा पृथक से पोस्टल आर्डर/डी.डी./ चैक कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली के नाम से बिड के साथ संलग्न करना होगा। देरी से प्राप्त निविदादाताओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तें वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक
करौली

आर.डी. गर्ल्स कॉलेज में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निसं)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर द्वारा राजस्थान सरकार की पहल पर राज्य के चयनित महाविद्यालयों में 'राजस्थान फिनिशिंग स्कूल' के अंतर्गत विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आर.डी. गर्ल्स कॉलेज में असिस्टेंट एवं फैशन डिजाइनर कोर्स के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मधु शर्मा ने बताया कि यह 420 घंटे का रोजगारपरक पाठ्यक्रम है**

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मधु शर्मा ने बताया कि यह 420 घंटे का रोजगारपरक पाठ्यक्रम है, जिसके पूर्ण होने पर छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने अंतिम वर्ष एवं चतुर्थ सेमेस्टर की सभी छात्राओं से इस कोर्स में भाग लेने का आ ान किया। पाठ्यक्रम के ऑपरेशन हेड संजय अरोड़ा ने छात्राओं को कोर्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह पाठ्यक्रम असिस्टेंट डिजाइनर एवं फैशन डिजाइनिंग के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके लिए कॉलेज में 15 सिलाई मशीनें स्थापित की जा चुकी हैं तथा शीघ्र ही 6 इलेक्ट्रॉनिक सिलाई मशीनें और अन्य उपकरण भी लगाए जाएंगे। आयुक्तालय से निर्देश प्राप्त होते ही पाठ्यक्रम प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम की कुल फीस 20,580 रुपये निर्धारित की गई है, लेकिन राजस्थान सरकार की पहल के तहत अंतिम वर्ष की नियमित छात्राओं एवं पूर्व छात्राओं के लिए मात्र 10 प्रतिशत फीस रखी गई है। वहीं निजी कॉलेजों की अंतिम वर्ष की नियमित एवं उत्तीर्ण छात्राओं के लिए 25 प्रतिशत फीस निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्राओं को महाविद्यालय में फीस जमा कर रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा। कोर्स समन्वयक महेश कुमार ने बताया कि पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा तथा 75 प्रतिशत छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट दिलवाया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. लाला शंकर गयावाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात छात्राओं को प्रशिक्षण कक्ष में मशीनों का अवलोकन कराया गया और पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर अकादमिक प्रभारी डॉ. निशा गोयल, समिति सदस्य जगदीश कुमार, दीवान सिंह, वीरेन्द्र पाल टांक, निधि, करिश्मा सिंह, प्रिया शर्मा, पूजा राठी सहित अन्य संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

भूसा खरीदने जा रहे युवक से की मारपीट

रुदावल, भरतपुर (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के वामन नगला नहर पर भूसा खरीदने जा रहे एक युवक को बाइक सवार बदमाशों ने रोककर सरियों से मारपीट कर जेब में रखे 50 हजार रुपए लूट लिए। बदमाशों ने पीड़ित की कनपटी पर अवैध कट्टा तानकर जान से मारने की धमकी भी दी। रुदावल पुलिस ने बताया कि गांव नगला तुला निवासी रामकेश गुर्जर पुत्र रामवीर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सुबह करीब 11 बजे अपने चाचा ओती और मामा मुनेश के साथ बाइक पर सवार होकर भूसा खरीदने के लिए वामन नगला जा रहा था। जैसे ही वे वामन नगला नहर के पास पहुंचे तो गांव हरनगर निवासी लल्लू शूटर और खेरिया मोड निवासी मंगल ब्राह्मण ने उनकी बाइक को जबरन रुकवा लिया।

!! कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली (राज.) !!

क्रमांक:-स्टोर/करौली/2026/80-87 दिनांक: 10.04.2026

खुली निविदा सूचना

कार्यालय की विभिन्न शाखाओं, जिले में स्थित वृत कार्यालयों/पुलिस लाईन करौली/पुलिस थानों/पुलिस चौकियों/ पुलिस नियंत्रण कक्ष/यातायात शाखा करौली/हिण्डौन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रपत्र प्रिन्ट कराये जाने एवं रजिस्टर आदिकी जिल्द का कार्य कराये जाने के लिए दर अनुबन्ध हेतु निविदाऐ आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 16.04.2026 को कार्यालय समय में उपस्थित होकर निविदा प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। नियत दिनांक एवं समयोपरान्त प्राप्त निविदाऐं अमान्य होगी। प्राप्त निविदाऐं दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक जमा कर, दिनांक 16.04.2026 को 02.00 पी.एम. पर समस्त निविदादातों के समक्ष खोली जावेगीं।

क्र. सं.	नाम आईटम	अनुमानित राशि	निविदा फार्म	धरोहर राशि
1.	वित्तिय वर्ष 2026-27 में प्रपत्र प्रिन्ट कराये जाने एवं रजिस्टर आदि की जिल्द का कार्य कराये जाने की दरों का वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध।	3.00 लाख	500/- रू.	6000/रू.

नोट:-बिड प्रपत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज निर्धारित बिड प्रपत्र शुल्क कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली में किसी भी कार्य दिवस को पोस्टल आर्डर/डी.डी./चैक जमा करवाकर दिनांक 16.04.2026 को प्रात: 11.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं या वेबसाईट karaulipolice.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurment Portal से भी डाउनलोड किया जा सकता है डाउनलोड किये गये बिड प्रपत्र का प्रारूप निर्धारित शुल्क बिड दाता द्वारा पृथक से पोस्टल आर्डर/डी.डी./ चैक कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक करौली के नाम से बिड के साथ संलग्न करना होगा। देरी से प्राप्त निविदादाताओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा शर्तें वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक
करौली

चिड़ावा थाने के कांस्टेबल ने एसीबी टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया

घटना में जयपुर से आई एसीबी टीम का एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि आरोपी पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया

चिड़ावा, (निसं)। थाने में एसीबी की कार्रवाई के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब रिश्वत लेते पकड़े जाने के डर से आरोपी पुलिस कांस्टेबल ड्राइवर ने एसीबी टीम पर ही फिल्मी अंदाज में बदमाशों की तरह गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। वारदात में एक एसीबी का कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि आरोपी पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

- **रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के डर से थाने के ड्राइवर अनिल कुमार ने गाड़ी से एसीबी टीम के सदस्यों को कुचलने की कोशिश की**

चिड़ावा थाने के कांस्टेबल ने एसीबी टीम पर ही बदमाशों की तरह गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया।

फरार आरोपी कांस्टेबल

जानकारी के अनुसार चिड़ावा थाना परिसर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर की टीम की कार्रवाई के दौरान सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया। रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के डर से थाने के ड्राइवर अनिल कुमार ने एसीबी टीम पर ही गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। आरोपी ड्राइवर अनिल कुमार को पकड़ने के प्रयास के दौरान एसीबी टीम का एक कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। एसीबी जयपुर के डिप्टी एसपी सुरेंद्र पंचोली ने बताया कि आरोपी ड्राइवर अनिल कुमार एक गाड़ी ड्राइवर को लकड़ियों के परिवहन करने पर कार्रवाई करने का डर दिखाकर पैसे मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की कार्रवाई शुरू की। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की राशि ली। टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन टीम को देखते ही पुलिस कांस्टेबल अनिल कुमार बदमाशों की तरह गाड़ी दौड़ाने लगा। थाना गेट के पास गाड़ी रुकवाने की कोशिश की गई, लेकिन आरोपी ने गाड़ी रोकने के बजाय रिवर्स गियर में डालकर तेज गति से भगाकर ले गया। भागने के दौरान आरोपी ने एसीबी टीम के सदस्यों को कुचलने की कोशिश की। एसीबी टीम के कॉन्स्टेबल लक्ष्मीनारायण ने बहादुरी दिखाते हुए ड्राइवर साइड की खिड़की से लटककर गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने गाड़ी नहीं रोकी। आरोपी ने गली में खड़ी अन्य गाड़ियों से लक्ष्मीनारायण को टक्कर मारते हुए कॉन्स्टेबल को गिरा दिया। एक खड़ी कार से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश हो गया। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर पुलिस की सरकारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घायल कॉन्स्टेबल को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें झुंझुनूं रेफर किया गया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

एसीबी के डिप्टी एसपी सुरेंद्र पंचोली ने बताया कि आरोपी ने एसीबी टीम के कर्मचारी की जान लेने का प्रयास किया है। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की टीम आरोपी अनिल कुमार की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

श्रीगंगानगर में वाटर वर्क्स के टैंक में गिरने से दो मासूमों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर में वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों मासूम वाटर वर्क्स की डिग्गी के पास खेल रहे थे। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों डिग्गी में गिर गए। घटना शाम के करीब 6:30 बजे ठंडी गांव में हुई। मृतक बच्चों की पहचान दिव्यांशु (10) व राघव (10) निवासी ठंडी, रायसिंहनगर, श्रीगंगानगर के रूप में हुई। दोनों बच्चे पड़ोसी है। घटना के सूचना पर रायसिंहनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

- **खेलते समय पैर फिसलने से हुआ हादसा, परिजनों ने मुआवजे की मांग की**

ट्रेनी आरपीएस प्रियंका ने बताया कि गुरुवार शाम को करीब 6:30 बजे सूचना मिली थी कि गांव ठंडी में वाटर वर्क्स की डिग्गी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही ग्रामीणों ने बच्चों को डिग्गी से बाहर निकाल लिया था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

बताया जा रहा है कि बच्चे वाटर वर्क्स में खेल रहे थे। वाटर वर्क्स की डिग्गियों पर जाली भी लगी हुई है, लेकिन दोनों बच्चे जाली उठाकर डिग्गी के पास चले गए थे और खेलते समय उनका पैर फिसल गया। जिसके बाद वह डिग्गी में जा गिरे। जिनमें उनकी मौत हो गई। परिजनों द्वारा फिलहाल दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। दोनों बच्चे गरीब परिवार से हैं और अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। परिजन मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वहीं, घटना से गांव में गम का माहौल है। हादसे की जानकारी मिलने पर उपखंड अधिकारी सुभाष चौधरी और तहसीलदार हर्षिता मीढ़ा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीडित परिजनों से मुलाकात की और सहायता का आश्वासन दिया।

डूंगरपुर : फरार बाइक चोर को खाटूश्यामजी से गिरफ्तार किया

चोरी के बाद बिहार भाग गया था, बाद में खाटूश्यामजी में गेस्ट हाउस में काम करने लगा था

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है, जो पिछले तीन साल से फरार था। पुलिस ने ऑपरेशन शिकंजा के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को सीकर जिले के खाटूश्यामजी से पकड़ा।

सागवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि पादरा निवासी मीरा परमार पत्नी मोहन परमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 जुलाई 2023 को उनके घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चुरा ले गए थे। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी बिहार भाग गया था। बाद में वह सीकर जिले के खाटूश्याम क्षेत्र में रहने लगा था। पुलिस टीम खाटूश्याम पहुंची और मंदिर क्षेत्र के विभिन्न होटलों व सरायों में जांच की। आरोपी एक गेस्ट हाउस में काम करते हुए मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागवाड़ा के ठाकरडा पाडा निवासी पतरश उर्फ निका उर्फ निकेश उर्फ निलेश के रूप में हुई है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

झुंझुनूं में पांच दवा दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड

झुंझुनूं, (निसं)। जिला औषधि नियंत्रण विभाग ने दवा दुकानों में अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिले की पांच मेडिकल स्टोर्स के औषधि लाइसेंस पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत की गई जांच में खामियां सामने आने पर की गई।

- **निरीक्षण में मिली अनियमितताओं पर औषधि नियंत्रण विभाग की कार्रवाई**

औषधि नियंत्रण अधिकारी लोकेश सिंह एवं सरिता मीणा द्वारा संबंधित मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान स्टॉक रजिस्टर संधारण, बिलिंग प्रक्रिया एवं दवाओं के रखरखाव में कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गई। इसकी रिपोर्ट विभागीय अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद यह निर्णय लिया गया। सहायक औषधि नियंत्रक अनूप रावत ने बताया कि अधिनियम व नियमावली के तहत इन पांचों फर्मों के लाइसेंस 1 मई से 5 दिनों के लिए निलंबित रहेंगे। इस अवधि में संबंधित मेडिकल स्टोर किसी भी प्रकार की दवाओं की बिक्री या व्यापार नहीं कर सकेंगे। जिन मेडिकल स्टोर्स पर कार्रवाई की गई है, उनमें एसएस मेडिकल एंड प्रोविजनल स्टोर, राव मेडिकल एंड जनरल स्टोर, सुनील मेडिकल एजेंसी, आरके मेडिकल एंड जनरल स्टोर तथा आरजे मेडिकल स्टोर शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उदयपुर में पोल पर फॉल्ट ठीक करते समय लाइनमैन ब्लास्ट के साथ नीचे गिरा, मौत

धमाके के साथ फट गया लाइनमैन का शरीर, ग्रामीणों ने मांगों को लेकर अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गुरुवार को फॉल्ट ठीक करते समय ब्लास्ट के साथ लाइनमैन का शरीर बुरी तरह फटकर पोल से नीचे गिर गया था। हादसे में लाइनमैन का पैर भी टूट गया था। हादसे के बाद देर रात तक करीब एक बजे लोग डबोक हॉस्पिटल के बाहर जमे रहे और घटना का विरोध किया। मौके पर मावली तहसीलदार, डबोक थानाधिकारी गोपाल नाथ और एक्सईएन राकेश करण सहित परिजन और ग्रामीण मौजूद थे। परिजन ठेकेदार को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद सुबह वापस ग्रामीण एकत्रित हुए। करीब एक घंटे तक विरोध के बाद ठेकेदार द्वारा सात लाख रुपए मुआवजा दिए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया शुरू की गई।

- **ठेकेदार द्वारा सात लाख रुपए मुआवजा देने पर सहमति बनी, इसके बाद पोस्टमॉर्टम हुआ**
- **प्रतापनगर एक्सईएन ने कहा कि जांच का विषय है, उच्चाधिकारी इसकी जांच करवाएंगे**

मामले में दूसरे दिन भी अधिकारी यह तक नहीं बता पाए कि आखिर लाइन चालू किसने की? सवाल पूछे जाने पर प्रतापनगर एक्सईएन राकेश करण बोले कियह जांच का विषय है। उच्चाधिकारी इसकी जांच करवाएंगे। जांच रिपोर्ट के बाद ही बता पाएंगे कि आखिर लाइन चालू करने वाला कौन था। ठेकेदार की गलती पूछे जाने पर एक्सईएन कुछ नहीं बोले।

घटना डबोक थाना क्षेत्र के तुलसीदासजी की सराय में गुरुवार शाम 6.30 बजे धुनीमाता निवासी लाइनमैन शोकत शेख (42) की पोल पर फॉल्ट ठीक करते वक्त अचानक करंट आने से मौत हो गई थी। 11 केवी की लाइन को शटडाउन करके ही पोल पर चढ़े थे, लेकिन अचानक किसी ने जीएसएस से बिजली सप्लाई चालू कर दी, जिससे फॉल्ट ठीक कर रहे शोकत शेख का शरीर धमाके के साथ फटा और पोल से नीचे गिर गया। उनका एक पैर पूरी तरह टूट गया। घटना के बाद परिजनों ने गांव के अनुभवहीन निजी व्यक्तियों को ठेके में काम पर रखने का भी आरोप लगाया था।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर समाप्त होते ही पारा बढ़ा

बीकानेर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर समाप्त होते ही गर्मी ने एक बार फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिनों में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे दिन के समय गर्मी का एहसास बढ़ गया है।

मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो बढ़कर 32.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इस प्रकार दो दिन में ही अधिकतम तापमान में लगभग 5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। न्यूनतम तापमान में भी इसी प्रकार की वृद्धि दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में बीकानेर में बारिश की कोई संभावना नहीं जताई है। शहर सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि, बीकानेर संभाग में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे यह 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org

No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2026-27/391 Date :- 02/04/2026

Notice Inviting e-Bids

Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited up to 02.00 pm of 30-04-2026 for Supply and Installation of 1. Advance Thoracoscopy System, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 50.00 lacs, 2. PFT Machine, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 1.00 Lacs at Dept. of Respiratory Medicine, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in**, or **eproc.rajasthan.gov.in.**

UBN : CMS2627GLOB00001, CMS2627GSOB00002
Raj.Samwad/C/26/663 Medical Superintendent

बंद पड़ी माइंस के पानी में डूबने से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र में एक बंद पड़ी माइंस के पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना हडमत फला बोडामली गांव में हुई। मृतक की पहचान दिनेश परमार के रूप में हुई है, जो गांव के ही कांतिलाल परमार का बेटा था।

- **नहाते समय हुआ हादसा, युवक के कपड़े, जूते और मोबाइल बाहर मिले**

जानकारी के अनुसार दिनेश सुबह गांव के पास बंद पड़ी माइंस में नहाने गया था। कुछ देर बाद माइंस में पानी में एक शव तैरने की सूचना मिली। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त दिनेश के रूप में की। घटनास्थल पर माइंस के बाहर दिनेश के कपड़े, जूते, मोबाइल और टोपी रखे हुए मिले। सूचना मिलने पर धम्बोला थाने के एएसआई पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया और सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

श्रीगंगानगर में पिता-पुत्र को नशे की तस्करी के आरोप में पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। कालियां गांव के पिता-पुत्र को नशे की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया है। सदर थाना के कार्यवाहक एसएचओ हंसराज खरोड़ ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। एसपी हरीशंकर के निर्देश पर मामले की जांच एसआई सुनील कुमार को सौंपी गई है।

- **तस्करों से 312 ट्रामाडोल कैप्सूल, 1400 प्रीगाबालीन कैप्सूल और 130 टपेंटाडोल टेबलेट बरामद की**

मिली जानकारी के अनुसार कालिया निवासी 40 वर्षीय लेखराज उर्फ लेखू पुत्र अर्जुनराम और उसके 19 वर्षीय बेटे जसकरण उर्फ बिंदु के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएचओ सुभाष चंद्र ने बताया कि दोनों से ड्यूटी अधिकारी ने 312 ट्रामाडोल कैप्सूल, 1400 प्रीगाबालीन कैप्सूल और 130 टपेंटाडोल टेबलेट बरामद की हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस की धारा 223 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया जाएगा। इस दौरान यह पता लगाने का प्रयास रहेगा कि पिता-पुत्र दोनों उक्त नशे के काम ली जा रही दवाएं किससे और कहां से खरीदकर ला रहे थे।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001
दूरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com

क्रमांकः– गैराज/ननिउ/2026–27/14 दिनांक :– 08.04.2026

(ई–भुगतान) अल्पकालिन बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 01

नगर निगम उदयपुर के गैराज अनुभाग से सम्बंधित 03 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 49.48 लाख रू. है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 09.04.2026, अंतिम तिथि 15.04.2026 एवं निविदा खुलने की तिथि 16.04.2026 है।

UBN no. UNP2627WSRC00004

अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर — आयुक्त नगर निगम उदयपुर

राज.संवाद/सी/26/646

प्राइवेट स्कूल संचालक नहीं रोक सकेंगे बच्चों की टीसी, आदेश जारी

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश दिया है कि किसी भी तरह का विवाद होने के बाद भी स्टूडेंट की टीसी को रोका नहीं जा सकता

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने एक आदेश जारी करके प्राइवेट स्कूल संचालकों को आदेश दिया है कि किसी भी तरह का विवाद होने के बाद भी स्टूडेंट की टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) को रोका नहीं जा सकता। अगर कोई स्कूल टीसी रोकता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निदेशक ने अपने आदेश में निर्देश दिए हैं कि गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत स्टूडेंट्स को उनके गार्जन के आवेदन पर समय पर ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी करना होगा। साथ ही, गार्जन और स्कूल मैनेजमेंट के बीच किसी भी प्रकार का विवाद होने पर भी टीसी को नहीं रोका जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो।

- **स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ने शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर आदेश में संशोधन की मांग की**

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि किसी विद्यालय द्वारा टीसी जारी करने में अनावश्यक देरी या इनकार किया जाता है, तो राजस्थान गैर सरकारी शैक्षणिक संस्था अधिनियम 1989, नियम 1993 एवं संशोधित नियम 2011 के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष कोडाराम भादू ने शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर आदेश में संशोधन की मांग की है। विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के बीच अधिकांश विवाद बकाया फीस को लेकर होते हैं। यदि बिना शुल्क जमा कराए ही टीसी जारी करनी पड़ेगी, तो निजी विद्यालयों के लिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा।

संचालकों का कहना है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा अंकतालिकाएं ऑनलाइन जारी किए जाने के बाद विद्यार्थी विद्यालयों से मूल दस्तावेज लेने नहीं आते, जिससे अभिभावक बकाया फीस जमा नहीं कराते और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में बिना 'नो-ड्यूज' प्रमाण पत्र के टीसी जारी करना निजी विद्यालयों के हितों के विरुद्ध है।

एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अपने विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आदेश जारी कर रही है। साथ ही, आरटीई एवं अन्य देय भुगतानों में देरी के कारण निजी विद्यालय पहले से ही आर्थिक दबाव में हैं। प्री-प्राइमरी कक्षाओं के आरटीई भुगतान भी कोर्ट के आदेश के बावजूद लंबित बताए गए हैं।

निजी विद्यालय अपने संसाधनों, शिक्षकों के वेतन, भवन किराया, बिजली-पानी और अन्य व्यवस्थाओं का संचालन विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क के आधार पर करते हैं। यदि अभिभावक शुल्क जमा किए बिना ही टीसी प्राप्त कर लेते हैं, तो विद्यालयों के लिए संचालन करना अत्यंत कठिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, स्वीकृत बजट को ट्रेजरी में फॉरवर्ड किए जाने के बावजूद 31 मार्च तक ईसीएस के माध्यम से भुगतान नहीं होने से बजट लैप्स हो गया, जिससे संबंधित विद्यालयों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर आगे की रणनीति बनाने के लिए स्कूल एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन सेवा राजस्थान ने रविवार को एक बैठक बुलाई है, जिसमें आगामी कदमों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

उधर, बीकानेर प्राइवेट स्कूल क्लब के अध्यक्ष मनोज व्यास ने कहा है कि अगर सभी संगठन मिलकर इस निर्णय के खिलाफ आंदोलन करते हैं तो क्लब से जुड़े स्कूल भी आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि निदेशालय के समक्ष इस निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन होना चाहिए।

एक करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच महंगे मोबाइल जब्त किए

निवाई, (निसं)। प्रदेश में पुलिस द्वारा सायबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन हंटर के तहत दत्तवास थाना पुलिस ने एक करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले दो सायबर अपराधियों का गिरफ्तार किया है।

दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन एवं डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में सायबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन हंटर के तहत गठित टीम ने एक करोड़ रुपये से अधिक के सायबर फ्रॉड का खुलासा करते हुए आरोपी शंकर मीणा व राकेश मीणा दोनों निवासी खेडा की ढाणी तुर्किया को डिटेन कर पूछताछ की गई।

दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि आरोपी फर्जी ट्रेड लिंक, वर्क फ्रॉम होम, राइटिंग स्किल्स व गिफ्ट आइटम के लुभावने विज्ञापनों के जरिए आमजन को ठगते थे। आरोपी यूट्यूब सब्सक्राइबर बढ़ाने का झांसा देकर टेलीग्राम, व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम के माध्यम से लिंक भेजकर घर बैठे मोटी रकम कमाने का लालच देकर सायबर फ्रॉड को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच महंगे मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपितों के मोबाइल की जांच में 25 से अधिक फर्जी नंबरों का उपयोग पाया गया है, जो अलग-अलग नामों से सिम इशू करवाकर चलाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सायबर अपराध पोर्टल पर इन आरोपियों के विरुद्ध पहले से ही 8 ऑनलाइन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने सायबर अपराध का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है, जिससे इस नेटवर्क से जुडे अन्य आरोपियों का भी खुलासा होगा। टीम में थानाधिकारी हीरालाल वर्मा, सहायक उप निरीक्षक मोहनलाल, हेड कांस्टेबल नीरज कुमार, कांस्टेबल आशाराम, कन्हैयालाल, शिवजी प्रसाद, हरिशंकर, विष्णु कुमार, हरिकेश व चालक राजकुमार आदि शामिल रहे।

APOLLO COLLEGE OF VETERINARY MEDICINE
Agra Road Jaipur-302031 (Rajasthan) Website: www.apollovet.org
Email: apollovetjaipur@gmail.com Contact: 7005527322, 0141-2682335

RECRUITMENT OF TEACHING STAFF
ADVERTISEMENT NO. (01/2026)

Bio-data along with relevant documents are being invited for the following posts upto 30th April, 2026 either by speed post or by email apollovetjaipur@gmail.com. The applicant should have minimum qualifications of M.V.Sc. / Ph.D. in the concerned subject. The retired Professor may also apply.

NAME OF DEPARTMENTS	NAME OF POST		
	PROFESSOR	ASSOCIATE PROFESSOR	ASSISTANT PROFESSOR/
VETERINARY ANATOMY	---	1	---
VETERINARY PHYSIOLOGY & BIOCHEMISTRY	---	---	1*
VETERINARY PUBLIC HEALTH & EPIDEMIOLOGY	1	---	---
VETERINARY SURGERY & RADIOLOGY	---	---	1
VETERINARY CLINICAL COMPLEX			1*
LIVESTOCK FARM COMPLEX	1	---	---

Note: 1. Assistant Professor – *Veterinary Biochemistry
2. Professors and Associate Professors should not exceed 70 years of age.
3. Send the biodata alongwith xerox copy of UG, PG, Ph.D. Degree, copy of experience certificate, copy of published articles etc.

DEAN

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ/ निविदा/2026-27/19 दिनांकः- 07/04/2026

निविदा सुचना संख्या - 01/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract for Daily periodical operation of valve at supply times for specified by department per sluice valve
निविदा की कुल लागत (राशि लाखों में)	कुल निविदा 02 रु. 30.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	07.04.2026 से 16.04.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	17.04.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2627WSRC00141, PHE2627WSRC00142

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/6670/2026

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं की राजनीति में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री

महिलाएं अपने सपनों को पंख दें, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया है। इससे इनकी राजनीति में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के प्रत्येक पहलू से जोड़ा है। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप अपने सपनों को पंख दीजिए, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं और छात्राओं के साथ सीएम भजनलाल शर्मा ने मोबाइल में सैल्फी ली।

- **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाया**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता देते हुए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में करीब 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजना ने महिला सशक्तीकरण को मजबूती प्रदान की है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान आवंटित किए जाते हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की गई है तथा हर घर नल से जल के माध्यम से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

इस दौरान प्रदेशभर के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं एवं छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए डबल इंजन सरकार का आभार जताया तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महिलाओं एवं छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

रीको ने भूखण्ड आवंटियों को दी बड़ी राहत

जयपुर (कासं)। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने तथा उद्यिमयों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा विभिन्न प्रक्रियाओं एवं नियमों का लगातार सरलीकरण किया जा रहा है। रीको ने भूखण्ड आवंटन से संबंधित नियमों, समय-सीमाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा कर इनमें संशोधन कर आवश्यक परिपत्र जारी किया है। अब सभी रीको इकाई प्रभारी संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां नए परिपत्र के अनुरूप कम की गई समय सीमा में ही जारी करेंगे।

- **भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियों के निस्तारण की समय सीमा घटाई**

रीको औद्योगिक क्षेत्रो में आवंटियों को समय-समय पर अपने भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियां लेनी होती हैं। इसके लिये आवंटी अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रीको पॉर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर स्वीकृतियां प्राप्त कर सकेंगे।

इन स्वीकृतियों के अंतर्गत कंपनी के डायरेक्टर्स में परिवर्तन, कंपनी के स्वरूप में बदलाव (प्राइवेट लिमिटेड से लिमिटेड अथवा इसके विपरीत), भूखण्डों का मर्जर, ऋण प्राप्ति हेतु अनुमति तथा कंपनी के नाम परिवर्तन इत्यादि सम्मिलित हैं।

इसके अलावा, भूखण्डों पर प्लिंथ स्तर अथवा छत स्तर पर निर्माण की सूचना हेतु आवेदन की समय-सीमा को 3 दिन से घटाकर 1 दिन करने का निर्णय लिया गया है। अब जियोटैग फोटो अपलोड करने के पश्चात एक दिन में ही आवेदन मान्य माना जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, त्वरित एवं पारदर्शी बनेगी।

पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित आवेदन एवं स्वीकृति प्राप्त किये जाने की सूचना, लीज डीड निष्पादन के पंजीकरण, संपत्ति पर ऋण पूरा होने की सूचना देने के लिए आवेदन निस्तारण की समय सीमा 3 दिन के स्थान पर 1 दिन तथा पावर ऑफ अटॉर्नी जारी होने की सूचना के आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा घटाकर 15 दिन से 1 दिन कर दी गई है। इससे उद्यिमयों को शीघ्र सेवाएं प्राप्त होंगी तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी। भूखण्ड को सब-लेटिंग अथवा सब-लीजिंग पर देने के आवेदनों का निस्तारण अब 7 दिन के स्थान पर मात्र 3 दिन में किया जाएगा।

यदि कोई उद्यमी निर्धारित समय-सीमा में भूखण्ड पर औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं कर पाता है, तो समय-सीमा बढ़ाने के लिए आवेदन करना आवश्यक होता है।

ऐसे मामलों में अब कारण सहित औचित्य, जियोटैग फोटो एवं अन्य सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उल्लेखनीय है कि इन आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा भी 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार, न्यायालय के माध्यम से अमलगमेशन, मृत्यु की स्थिति, गिफ्ट डीड, विक्रय तथा सब-डिवाइडेड प्लॉट के ट्रांसफर जैसे विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण की समय-सीमा में भी कमी कर उद्यिमयों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। रीको की इस पहल से भूखण्ड आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां बहुत कम समय में मिल सकेंगी एवं वे अपनी परियोजनायें जल्द स्थापित कर सकेंगे।

पूर्व आई.ए.एस. सुबोध अग्रवाल 13 अप्रैल तक रिमांड पर

960 करोड़ रुपए के जल जीवन मिशन घोटाले के मामले में एसीबी ने किया था गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड रुपए के घोटाले से जुडे मामले में पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को 13 अप्रैल तक रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया है। हाल ही में अदालत की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को भगौडा घोषित करने के बाद एसीबी ने उसे गिरफ्तार किया था।

एसीबी की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा। एसीबी की ओर से कहा गया कि आरोपी से प्रकरण को लेकर पूछताछ करनी है। वहीं यह भी जानकारी हासिल की जाएगी की इस घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। वहीं सुबोध अग्रवाल के वकील ने पुलिस रिमांड का विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 13 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। बाहर आकर सुबोध अग्रवाल ने कहा कि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है, सत्यमेव जयते।

ज्ञात रहे कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने पूर्व में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी और ठेका फर्म के संचालकों को गिरफ्तार किया था। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। वहीं गत दिनों एसीबी ने जलदाय विभाग के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड, महेन्द्र प्रकाश सोनी, निरिल कुमार और मुकेश पाठक को गिरफ्तार किया था। एसीबी कोर्ट इन सभी अधिकारियों की जमानत अर्जियों को खारिज कर चुकी है। इसके अलावा तीन अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं।

सुबोध अग्रवाल की ओर से मामले में अपने खिलाफ दर्ज एसीबी की इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। गत 19 फरवरी को याचिका दायर होने के बाद नाटकीय घटनाक्रम में उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर अपना वकालतनामा वापस ले लिया। अब उनकी ओर से दूसरे अधिवक्ता पेश हो रहे हैं। सुबोध अग्रवाल का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी विशाल सक्सेना के बयान पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जबकि मामले का खुलासा होने के बाद उसके कार्यकाल में विशाल पर कार्रवाई की गई थी।

गौरलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने साल 2024 में एफआईआर दर्ज की थी। जांच में सामने आया की ठेका फर्म श्री गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम ट्यूबवेल के संचालकों ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कर पीएचईडी के अफसरों से मिलीभगत कर करीब 960 करोड रुपए के टेंडर हासिल किए।

''ट्री हाऊस हाई स्कूल'' की मनमर्जी का मामला सीबीएसई तक पहुंचा

कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का निरीक्षण कर हालात जांचे

जयपुर । राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में ''ट्री हाऊस हाई स्कूल'' पिछले 4 दिनों से बंद है। स्कूल संचालकों ने सत्र 2026-27 की फीस वसूलने के बावजूद अघोषित रूप से स्कूल बंद कर रखा है। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों और बच्चों के भविष्य की चिंता किए बिना मनमर्जी से गत मंगलवार को स्कूल बंद कर दिया था, इसकी पूरी शिकायत सी.बी.एस.ई. तक भी पहुंची है। उधर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का औचक निरीक्षण कर बच्चों के भविष्य के लिए हालात जांचे है। उधर अभिभावकों ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग पहुंचकर प्रकरण की शिकायतें की है, परंतु अधिकारियों ने स्कूल पर कोई एक्शन लेने के बजाय अभी चर्चा करके फैसला लेने की बात कही है।

गौरतलब है कि, विद्या भारती समिति द्वारा श्याम नगर में ''ट्री हाऊस हाई स्कूल'' संचालित की जा रही थी। उन्होंने यह स्कूल बिल्डिंग अरिहंत एंटरप्राइजेज़ के मालिक विनय चौरडिया से 10.67 लाख रु. प्रतिमाह किराये पर ली थी। परंतु पिछले 4 वर्षों से स्कूल संचालक राजेश भाटिया किराया नहीं चुका पा रहा था, ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बकाया 4.21 करोड़ रुपए को लेकर भारी विवाद है। गत मंगलवार को भाटिया अचानक स्कूल बंद करके फरार हो गया। पिछले 3 दिनों से बच्चे और अभिभावक स्कूल प्रबंधन से लेकर विधायक, पुलिस, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के पास चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कहीं से कोई राहत नहीं मिलती दिख रही। इस पूरे प्रकरण में ''ट्री हाऊस हाई स्कूल'' पर शिक्षा विभाग और सीबीएसई द्वारा अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया जाना भी संशय की स्थिति पैदा कर रहा है।

हालांकि शुक्रवार को सी.बी.एस.ई. के अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर हालात देखे और साफ कहा कि हमें स्कूल बंद करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। ऐसे अचानक स्कूल बंद नहीं किया जा सकता, इसके लिए कम से कम 3 महीने पहले सूचना देनी होती है। ऐसे में फिलहाल 3 महीने तक स्कूल की मान्यता रद्द नहीं हो पाएगी। उधर अभिभावकों का कहना है कि, जिला कलेक्टर मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने भी सभी बच्चों के भविष्य की चिंता करने के बजाय सिर्फ आर.टी.ई. में पढ़ रहे बच्चों को अन्यत्र शिफ्टिंग को लेकर ज्यादा बातचीत की। हैरानी की बात है कि आखिर कोई स्कूल कैसे मनमर्जी से बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर सकता है, सरकार और प्रशासन इस पर कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहा?

निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद

जयपुर । राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में ''राइजिंग राजस्थान'' समिट के दौरान हुए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद चल रही है। जयपुर जिला प्रशासन की मॉनिटरिंग से 187 में से 30 एमओयू जमीन पर उतर चुके हैं। ज्ञात रहे कि समिट के दौरान 33 हजार 698 करोड़ रुपए के कुल 187 एमओयू हुए थे, जिनमें से 2965 करोड़ रुपए से ज्यादा के 30 समझौता को धरातल पर उतारा है। शुक्रवार को जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राइजिंग राजस्थान समिट के अंतर्गत निष्पादित एमओयू की प्रगति की समीक्षा की गई।

अनंत अंबानी की संस्था गुजरात के जाम नगर में खोलेगी ''वनतारा यूनिवर्सिटी''

जामनगर (गुजरात)। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन ''वनतारा'' ने गुजरात के जामनगर में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

- **यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी**

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा।

अनंत अंबानी ने कहा कि संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं। वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की।

प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं, के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है।

हिंदू परंपराओं के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पत्थरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संपन्न किया गया। वनतारा यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज़्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंज़र्वेशन पॉलिसी और नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिज़ाइन की पढ़ाई होगी। वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी।शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई।

इनकम टैक्स रेड का डर दिखाकर जयपुर में 90 लाख रुपए की ठगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके मुखबिर को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर ठग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल (58) निवासी चूरू हाल माचेडा (हरमाड़ा) सहित मुखबिर रोहित वर्मा (24) निवासी नेपाल हाल वीकेआई गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 77 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी बाबूलाल वर्मा के पास से 52 लाख रुपये नकद मिले, जबकि रोहित वर्मा से 50 हजार रुपये बरामद हुए। इसके अलावा आरोपी द्वारा ठगी की रकम से केनरा बैंक में लिया गया 25 लाख रुपये का गोल्ड लोन चुकाया गया था, जिसे भी रिकवरी में शामिल किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी इस रकम से फ्लैट खरीदने की योजना बना रहा था, लेकिन उससे पहले ही गिरफ्त में आ गया।

- **मुरलीपुरा पुलिस ने शातिर नटवरलाल समेत दो बदमाशों को दबोचा**
- **वारदात के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा**

पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित कड़ियों की भी पड़ताल की जा रही है।थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि परिवादी ने 17 मार्च 2026 को अपना प्लॉट बेचा था, जिसके एवज में उसे 90 लाख रुपये प्राप्त हुए। इसी दौरान मौजूद रोहित वर्मा ने रुपयों से भरे बैग और पूरी जानकारी शातिर ठग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल को दे दी। जहां योजना के तहत अगले ही दिन आरोपी बाबूलाल वर्मा परिवादी के पास पहुंचा और खुद को प्रभावशाली बताते हुए इनकम टैक्स रेड पड़ने का डर दिखाया। उसने रुपयों को सुरक्षित रखने के बहाने परिवादी को साथ लिया और एक बंद मकान में ले जाकर दूसरी मंजिल पर रखे पुराने फ्रिज में रुपयों से भरा बैग रखवा दिया। इसके बाद परिवादी को भोजन के बहाने बाहर भेज दिया। जब परिवादी वापस लौटा तो आरोपी और रुपयों से भरा बैग दोनों गायब थे। इस घटना के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा। जहां गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल से लेकर भागने के पूरे रूट के सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिससे आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोचा।

हथिनी को गुलाबी रंगने और मृत्यु के विरोध में प्रदर्शन

राजधानी जयपुर में हथिनी चंचल को गुलाबी रंग में रंगने और उसके बाद विदेशी फोटोग्राफर द्वारा फोटोशूट किये जाने के विरोध में शुक्रवार को पेटा द्वारा अल्बर्ट हाल पर प्रदर्शन किया गया। ज्ञात रहे कि यह फोटोशूट करीब 1 साल पहले हुआ था, हथिनी चंचल की मौत भी हो चुकी है। पिछले दिनों जब यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आयी थी, उसके बाद जमकर विवाद उपजा था। फोटो-राष्ट्रदूत

चंदवाजी में 795 किलो विस्फोटक के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे थे दोनों आरोपी

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के चंदवाजी थाना क्षेत्र में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने 795 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री का जखीरा जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर ग्रामीण जिले में विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विश्नोई के सुपरविजन में थानाधिकारी नितिन चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि त्रिवेणी क्रेशर के पास खदान क्षेत्र में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री इकट्ठा कर अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश देकर कांकड़ की ढाणी, मानपुरा माचेड़ी निवासी बाबूलाल यादव और सुरेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने 286 नग अमोनियम नाइट्रेट बूस्टर (कुल 795 किलो), 121 डेटोनेटर डीटीएच वायर सहित, एक जिलेटिन बत्ती तथा 4 अतिरिक्त डेटोनेटर बरामद किए। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बिना लाइसेंस रखना गंभीर अपराध माना जाता है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। आरोपी विस्फोटक सामग्री के संबंध में कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।इस कार्रवाई में पुलिस टीम के हरिराम, हेड कांस्टेबल सुभाष चंद और कांस्टेबल रोहिताश सहित अन्य कर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जांच में जुटी है।

अलवर में कट्टा दिखाकर युवक का अपहरण, 60 किलोमीटर दूर नगर कस्बे में छोड़ा

पांच जनों ने आंखों पर पट्टी बांधकर भरतपुर के नगर में छोड़ा, युवक को पुलिस लेकर आई

अलवर, (निसं)। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में बड़ाया मेडिकल के पास कार में सवार होकर आए पांच जने युवक का अपहरण कर भरतपुर ले गए, जिसका स्कूटर भी कोई अन्य व्यक्ति लेकर गया। परिजनों को शक होने पर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस करीब पांच घंटे बाद युवक को अलवर से करीब 60 किलोमीटर दूर नगर से लेकर आई। अब पुलिस परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज करेगी।

एनईबी निवासी पीड़ित युवक गौरव मेहरा ने बताया कि शुक्रवार सुबह नौ बजे वह स्कूटर लेकर घूमने आया था। बडाया मेडिकल के पास कार से पांच जने आए। आते ही उसके आगे कार लगाकर रोक लिया। उनमें एक जने ने हथियार निकाल लिया। जान से मारने की धमकी दी। तुरंत कार में पटक लिया। सबने अपने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। फिर कार से अनजान जगह ले गए। घर नहीं लौटा और मोबाइल नहीं लगा तो परिजनों को शक हुआ।

- **पीड़ित का कहना है पांच जनों में से दो उसके रिश्तेदार हैं, जिनको वह जानता भी है**
- **पुलिस का कहना है कि आपस में लेनदेन का मामला हो सकता है, परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर जांच होगी**

उन्होंने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने जानकारी लेने के बाद पड़ताल करना शुरू कर दिया। करीब पांच घंटे बाद युवक को बदमाश भरतपुर में नगर कस्बे में छोड़कर भाग गए। आंखों पर पट्टी बांध कर लेकर आए थे।

पीड़ित युवक गौरव ने बताया कि पांच जनों में से दो उसके रिश्तेदार हैं। जिनको वह जानता भी है। उनमें से रोहित ओर सतीश दूर की रिश्तेदारी में लगते हैं। उन्होंने ही अन्य तीन जनों को साथ लेकर अपहरण की घटना को अंजाम दिया है।

थाने के एएसआई फतेह सिंह का कहना है कि इनका आपस में लेनदेन का मामला हो सकता है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर जांच होगी। फिलहाल पीड़ित गौरव को नगर से लेकर आया गया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

कोटा में चाकू मारकर की युवक हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में चाकू से हमला कर युवक की हत्या के मामले में पुलिस टीम ने घटना के कुछ ही घंटों में हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपी से पुलिस द्वारा पूछताछ शुरु कर अनुसंधान जारी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि महावीर नगर इलाके के हरिओम नगर में गुरूवार रात्रि को चाकू मारकर युवक की हत्या का मामला सामने आया, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर एफएसएल एवं एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में थाने के उपनिरीक्षक कमल किशोर के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

गठित टीम ने मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिये उसके निवास स्थान सहित संभावित स्थानो पर दबिश दी। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी की तलाश कर रही थी। उसी दौरान टीम को आरोपी के नयागांव की तरफ छिपे होने की सूचना मिली, उक्त सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दबिश देते हुए केशोरायपाटन हाल ज्ञान सरोवर कॉलोनी निवासी नरेन्द्र पांचाल उर्फ नन्दा (26) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हत्या के मामले में मृतक की पत्नी फरियादिया खुशबु ने थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका पति शब्बीर अली बोर्डर चौराहे पर ठेला लगाता था।

गुरूवार रात्रि को जब उसका पति घर पर आया तो उसके पीछे नरेन्द्र पॉचाल उर्फ नन्दा भी आया और उसके पति को आवाज देकर बाहर बुलाया और किसी के घर का पता पूछने लगा जब उसके पति ने कहा कि उसको पता नहीं मालूम तो नरेन्द्र ने उसके पति शब्बीर अली के ऊपर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिये और मौके से फरार हो गया। हमले में घायल उसके पति शब्बीर की मौत हो गई। शहर एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए हत्या के आरोपी नरेन्द्र उर्फ नन्दा को गिरफ्तार किया गया।

हाईकोर्ट : भोपा नायक वर्गीकरण पर ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भोपा नायक समुदाय के वर्गीकरण से जुड़े मामले में राज्य सरकार को ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। याचिका में दावा किया गया है कि भोपा कोई जाति नहीं बल्कि एक पेशा है, इसलिए इसे ओबीसी में शामिल करना गलत है। कोर्ट ने कहा कि अंतिम निर्णय से पहले आयोग की रिपोर्ट जरूरी है। यह मामला 2013 के उस फैसले को चुनौती देता है, जिसमें नायक (भोपा) को अनुसूचित जाति से हटाकर ओबीसी में शामिल किया गया था।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह का समय दिया**

यह सुनवाई न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश संदीप शाह की खंडपीठ के समक्ष हुई। मामले में याचिकाकर्ता रामचरण ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया है कि भोपा कोई जाति नहीं है, बल्कि यह एक पारंपरिक पेशा है, जिसे नायक समुदाय के लोग निभाते हैं, इसलिए इसे जाति के रूप में मान्यता देकर ओबीसी वर्ग में शामिल करना न्यायसंगत नहीं है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत से अनुरोध किया कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। सरकार का कहना है कि यह रिपोर्ट यह स्पष्ट करने में मदद करेगी कि आयोग के गठन से पहले भोपा नायक समुदाय की वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति क्या रही है। यानी, इस रिपोर्ट के आधार पर यह तय करना आसान होगा कि समुदाय को किस वर्ग में रखा जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार की इस मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि मामले में किसी भी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट बेहद जरूरी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना तथ्यात्मक और आधिकारिक रिपोर्ट के इस तरह के संवेदनशील सामाजिक मुद्दे पर निर्णय लेना उचित नहीं होगा। इसी कारण राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है।

स्वच्छता को लेकर शपथ दिलाई

डूंगरपुर, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन शहर प्रदेश ब्रांड एंबेसडर और और पूर्व सभापति के. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में नगर के सभी निजी और सरकारी विद्यालय में विद्यार्थी तथा शिक्षकों को स्वच्छता का संदेश देते हुए शपथ दिलाने का अभियान जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को शहर के स्कूलों में शपथ दिलाई गई। वहीं विजय जैन द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चिराग व्यास, कपिल भट्ट, गिरीश पंड्या, प्रतिभा जेम्स, वीरेंदर सिंह सिसोदिया मौजूद रहे। दोनों विद्यालय के संस्था प्रधान और शिक्षक मौजूद रहे। संचालन चिराग व्यास ने एवं आभार राजेश डेंडू ने ज्ञापित किया।

ट्रेन से ट्रैक्टर-ट्रॉली टकराई तो चोरी की रिपोर्ट लिखाने पहुंचा चालक

जल्दबाजी में खुद ने ही पटरी पर चढ़ाई थी ट्रैक्टर-ट्रॉली, पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

बीकानेर, (निसं)। एक किसान ने जल्दबाजी में ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रैक पर चढ़ा दी। ट्रेन आती देख कूदकर दूर भाग गया। ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रेन से टकरा गई। हादसे की जिम्मेदारी से बचने के लिए आरोपी थाने भी पहुंच गया और बोला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी हो गई है। मामला खुलने के बाद रेलवे पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। हादसा 7 अप्रैल (मंगलवार) की रात सूडसर-नापासर स्टेशन के बीच हुई थी।

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि नारसीसर (बीकानेर) निवासी किसान कान सिंह सात अप्रैल को ट्रेक्टर-ट्रॉली लेकर निकला था। सूडसर-नापासर के बीच पिलर 419/06 के पास उसने पटरी क्रॉस करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रैक पर चढ़ा दिया। इस दौरान यहां से ट्रेन (12371) गुजरी। जानकारी के अनुसार सामने से आती रेल को देखकर भी कान सिंह ने रुकने के बजाय ट्रैक्टर की स्पीड बढ़ाकर पहले

- **हादसे की जिम्मेदारी से बचने के लिए आरोपी थाने भी पहुंच गया और बोला कि ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी हो गई है**

निकलने की कोशिश की। ट्रैक से ट्रैक्टर को निकल गया लेकिन ट्रॉली पटरी पर फंस गई। कान सिंह ट्रैक्टर से कूदकर दूर हो गया और ट्रॉली ट्रेन से टकरा गई। लापरवाही कान सिंह की जान पर भी भारी पड़ सकती थी। ट्रेन को भी नुकसान हो सकता था। खुद की गलती से हादसा हुआ तो कान सिंह पुलिस से बचने का उपाय सोचने लगा। हादसे के बाद कान सिंह रेलवे पुलिस थाने पहुंचा और बताया कि मेरी ट्रॉली और ट्रैक्टर चोरी हो गए हैं। आरपीएफ अधिकारियों को उसकी बात पर शक हुआ। कान सिंह से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने सच उगल दिया। बोला कि मैं खुद ही स्पीड में निकालने की कोशिश में था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय पीसे के निर्देश पर निरीक्षक सुभाष बिश्नोई के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी सबूतों और सूचना तंत्र की मदद से कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर चालक कान सिंह पुत्र लिछमण सिंह निवासी नारसीसर को गिरफ्तार कर लिया। आरपीएफ ने कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त कर लिया। आरपीएफ थाने में उसके खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रेलवे सुरक्षा बल की ओर से ग्रामीण इलाकों में समय समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लोगों को रेलवे लाइन पार न करने और मवेशियों-वाहनों को रेलवे ट्रैक से दूर रखने की सलाह दी जाती है।

हाईवे पर ट्रोला पलटा

पावटा, (निसं)। पावटा के मांगल्या वाली प्याऊ के पास दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे 48 पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा एक ट्रोला जिसका नंबर -58--3670 है अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के बीचों-बीच पलट गया।

बताया जा रहा है कि अज्ञात ट्रोला चालक द्वारा साइड दबाने के कारण यह हादसा हुआ। ट्रोला पलटने से उसमें भरी प्लाई (सामान) सड़क पर बिखर गई, जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि, सड़क पूरी तरह बंद नहीं हुई और वाहनों का आवागमन चालू रहा। गनीमत रही कि इस हादसे में ट्रोला चालक कमरू खान मेव को कोई चोट नहीं आई।

प्लांट से लाखों का कॉपर व ऑयल चोरी

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के प्रागपुरा थाना इलाके में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। टसकोला निवासी जितेन्द्र यादव ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया कि कुछ दिन पहले लाडाकाबास उनकी कॉमर्शियल भूमि पर लगे एम सैंड प्लांट से अज्ञात बदमाश डीपी तोड़कर लाखों रुपये का कॉपर व ऑयल चोरी कर ले गए।

पीड़ित जितेन्द्र यादव पुत्र भैरुलाल यादव ने बताया कि उनकी फर्म हुल्डा इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के नाम से लाडाकाबास क्षेत्र में खसरा नंबर 19 की भूमि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, जहां उन्होंने एम सैंड प्लांट स्थापित कर रखा है। प्लांट संचालन के लिए मौके पर थ्री फेज बिजली कनेक्शन के साथ डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर) भी लगा हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, 6 अप्रैल की देर रात अज्ञात चोरों ने प्लांट परिसर में घुसकर डीपी को तोड़ दिया और उसमें से कॉपर व ऑयल निकालकर चोरी कर ले गए। चोरी की इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। बदमाश डीपी के अवशेष मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंधी भाषा में संविधान पुस्तक का विमोचन

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में भारतीय संविधान की सिंधी भाषा में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया।

नई दिल्ली/अजमेर, (निसं)। देश के सिंधी भाषी समुदाय के लिए ऐतिहासिक क्षण तब आया जब उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारतीय संविधान की सिंधी भाषा (देवनागरी एवं फारसी लिपि) में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के राजभाषा खंड द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिंधी समुदाय ने विभाजन के बाद भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और देशभक्ति को बनाए रखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में सिंध क्षेत्र पुनः भारत का अभिन्न हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने कभी स्वयं को शरणार्थी नहीं, बल्कि पुरुषार्थी माना है और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि संविधान की आठवीं अनुसूची में 1967 में सिंधी भाषा को शामिल किया गया था और अब इसका देवनागरी व फारसी लिपि में अनुवाद होना अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में देशभर से सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इस पहल को समुदाय की पहचान और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया।

कोटा में 33 किलो डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 33 किलो 550 ग्राम अफीम डोडा-चूरा सहित दो अन्तर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड्व्यूह चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के सुपरविजन मे रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिये गये। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाने के उपनिरीक्षक रामसिंह मय जाब्ता इलाके में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि टीटीई विश्राम गृह के पास दो संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं, उक्त सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों व्यक्ति पुलिस जाब्ता को देखकर घबरा गये। पुलिस ने संदेह होने पर दोनों को डिटेन कर उनके पास मौजूद बैगों की तलाशी ली तो दोनों के पास मौजूद बैगों में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला कासगंज उत्तरप्रदेश हाल जयपुर के हसनपुरा निवासी शाहरूख (25) एवं जिला कासगंज उत्तरप्रदेश हाल पटौनी झज्जर के लोहारी गांव निवासी सूरज (20) को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये दोनों आरोपियों में से शाहरूख के पास से 18 किलो 550 ग्राम एवं आरोपी सूरज के पास से 15 किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया। दोनों के पास से कुल 33 किलो 550 ग्राम अफीम डोडा बरामद किया गया है, पकड़े गये दोनों आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये दोनों आरोपी मित्र है, तथा काफी समय से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं। मामले में सामने आया कि दोनों आरोपी मध्यप्रदेश के नीमच से अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा खरीदकर बस से कोटा आते और ट्रेन से जयपुर पहुंचते, जहां मादक पदार्थ की छोटी-छोटी पुड़ियां बनाकर अवैध बिक्री करते थे। आरोपी अवैध मादक पदार्थ को बैगों में छिपकर परिवहन करते थे।

ठगी के मामले में हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को पकड़ा

फरार साथियों की तलाश जारी

चिड़ावा/झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी क्षेत्र में संगठित ठगी और आपराधिक गिरोहों के हौसले एक बार फिर सामने आए हैं। चिड़ावा थाना पुलिस ने सोना बेचने का झांसा देकर गुजरात के व्यापारी से करीब सात लाख रुपये की ठगी करने और उसे बंधक बनाकर मारपीट करने के मामले का पर्दाफाश करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में मुख्य आरोपी सुलताना थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर रजनीश डारा और उसका साथी नितिश कुमार पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

जानकारी के अनुसार पीड़ित मेहुल भाई कातरिया, जो सोना खरीदने-बेचने का काम करते हैं, को फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए आरोपी रजनीश डारा ने संपर्क किया। आरोपी ने 60 ग्राम सोना होने और बैंक

- **सोना दिलाने के नाम पर सात लाख की ठगी और व्यापारी को बंधक बनाने का मामला**

में गिरवी होने की बात कहकर सौदा करीब 7 लाख रुपये में तय किया और पीड़ित को चिड़ावा बुला लिया। चिड़ावा पहुंचने के बाद आरोपी ने पीड़ित को बैंक ले जाकर गोल्ड लोन जमा कराने के नाम पर 6,66,636 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद कोर्ट स्टांप पर लिखापढ़ी कर विश्वास भी जीत लिया। अगले दिन आरोपी पीड़ित को चेक लाने के बहाने एक सुनसान खंडहर में ले गया, जहां पहले से मौजूद 3-4 बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया और करीब एक घंटे तक बंधक बनाकर रखा तथा मारपीट की और धमकियां दी और फोन-पे के जरिए 37 हजार रुपये और ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित को बिना नंबर की गाड़ी में डालकर सुनसान रास्तों से होते हुए हाईवे के पास फेंक दिया।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यूको बैंक पहुंचकर रिकॉर्ड खंगाले। इसी दौरान आरोपी बैंक में ठगी की रकम निकालने पहुंचे, लेकिन पुलिस और पीड़ित को देखकर भागने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को दबोच लिया। मुख्य आरोपी रजनीश डारा पर हत्या के प्रयास , लूट , मारपीट सहित दो दर्जन से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि का अंदाजा लगाया जा सकता है। थानाधिकारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस अब फरार अन्य आरोपियों की तलाश और ठगी की राशि बरामदगी में जुटी है।

उदयपुर नगर निगम ने आधी रात में 40 पेड़ों को कटने से बचाया

पेड़ों को काटा नहीं गया, बल्कि नई जगह निगम के ही गार्डन में लगाने के लिए शिफ्ट किया गया

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम की स्मार्ट प्लानिंग के चलते गुरुवार रात को शहर के सबसे व्यस्त उदियापोल चौराहा से 15 साल पुराने करीब 40 पेड़ों को कटने से बचा लिया गया। इन पेड़ों को उखाड़ा नहीं गया बल्कि उन्हें नई जगह नगर निगम के ही गार्डन में लगाने के लिए शिफ्ट किया गया।

गौरतलब है कि आमतौर पर जब शहरों में पुल या सड़कें बनती हैं, तब सबसे पहले पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलती है, लेकिन उदयपुर नगर निगम ने इन पेड़ों को शिफ्ट कर एक नई मिसाल पेश की है। रात के 11 बज नगर निगम के कमिश्नर अभिषेक खन्ना की निगरानी में इन पेड़ों को जड़ों समेत निकालने का काम शुरू हुआ। यह कोई मामूली काम नहीं था, क्योंकि इन पेड़ों को यहां से करीब एक किलोमीटर दूर निगम के बगीचे में सुरक्षित शिफ्ट करना था। बड़ी क्रेनों, जेसीबी व ट्रेलर से इस कार्य को अंजाम दिया गया। इस पूरे ऑपरेशन को

- **पूरे ऑपरेशन को डॉ. बीएल चौधरी के निर्देशन में नगर निगम की टीम ने किया, चौधरी को पेड़ों का जादूगर कहा जाता है**

डॉ. बीएल चौधरी के निर्देशन में नगर निगम की टीम ने रात 11 बजे रेस्क्यू शुरू किया था। इन्हें पेड़ों का जादूगर कहा जाता है जो अब तक देश-दुनिया में 15 हजार से ज्यादा पेड़ों को नई जिंदगी दे चुके हैं। उनकी देखरेख में एमएम एग्रोटेक की टीम ने बड़े ही वैज्ञानिक तरीके से खुदाई की। सबसे पहले पेड़ों के चारों तरफ तीन से चार फीट गहरा खड्डा खोदा गया। कोशिश यह थी कि पेड़ की जड़ें और उनके साथ लगी मिट्टी सुरक्षित रहे। जब पेड़ अपनी मिट्टी के साथ पूरी तरह ढीला हो गया तो क्रेन की मदद से उसे बहुत धीरे से उठाकर ट्रेलर पर लिटाया और शिफ्ट किया गया। निगम के गार्डन में इन पेड़ों के लिए घर पहले से तैयार था। वहां सात-आठ फीट गहरे और चौड़े गड्ढे खोदकर उनमें खाद-मिट्टी डाल दी गई थी। जैसे ही पेड़ वहां पहुंचे, उन्हें क्रेन से उतारकर सीधे नए गड्ढों में शिफ्ट कर दिया गया। पेड़ों को उनकी 90 फीसदी जड़ों के साथ निकाला गया था। ये नई जगह पर बहुत जल्दी अपनी पकड़ बना लेंगे।

जानकारी के अनुसार उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन से कलैक्टर बंगले तक 136 करोड़ की लागत से 2.7 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का काम तेजी से चल रहा है। उदियापोल चौराहे के ठीक बीच में रोड के पिलर बनने हैं। 117 पिलर्स पर यह रोड बनेगा। ऐसे में वहां खड़े पेड़ों को हटाना मजबूरी थी। नगर निगम चाहता तो इन पेड़ों को चंद घंटों में काटकर रास्ता साफ कर देता लेकिन उन्होंने पेड़ों को नई जिंदगी देने का फैसला किया। इनमें ज्यादातर पाम ट्री हैं जो चौराहे की शान बढ़ा रहे थे। अब ये पेड़ नगर निगम के नेहरू बाल उद्यान की सुंदरता बढ़ाएंगे। जिन 40 पेड़ों को बचाया, उनमें से कई की कीमत बाजार में 2 लाख रुपए तक है। अगर इन सभी पेड़ों की कुल वैल्यू देखें तो यह 60 लाख रुपए से ज्यादा है। निगम ने सूझबूझ दिखाई और महज सवा लाख रुपए के खर्चे में इन लाखों के कीमती पेड़ों को बचा लिया। इन पेड़ों की शिफ्टिंग का काम अभी दो-तीन दिन तक लगातार चलेगा, ताकि एक भी पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचे।

निगम कमिश्नर अभिषेक खन्ना ने बताया कि शहर के किसी भी निर्माण कार्य में पेड़ों को कम से कम नुकसान हो यह कोशिश हमेशा रहती है। उदियापोल के ये 15 साल पुराने पेड़ शहर की विरासत जैसे हैं। उदयपुर जैसे शहर के लिए पर्यावरण को बचाना बहुत जरूरी है।

उदयपुर में विवाहिता की मौत पर ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया

दो घंटे तक हंगामे के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच का आश्वासन दिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में विवाहिता की संदिग्ध हालत मौत के बाद पुलिस कार्रवाई से नाराज पीहर पक्ष ने शुक्रवार को थाने का घेराव किया। प्रतापनगर थाना इलाके के बेडवास में दो अप्रैल को विवाहिता की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हुई थी। पीहर पक्ष पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहा था। परिवार का आरोप है कि पति के किसी युवती से संबंध थे और बेटी द्वारा मोबाइल चैट देखने पर उसे टॉर्चर किया गया। बेटी के शरीर पर मारपीट के निशान थे। पुलिस के टालमटोल रवैये के बाद राजपूत समाज के संगठनों के बैनर तले महिलाओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। दो घंटे के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जल्द निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत समेत

- **परिवार का आरोप है कि पति के किसी युवती से संबंध थे और बेटी द्वारा मोबाइल चैट देखने पर उसे टॉर्चर किया गया था**
- **भावना के पिता ने बताया कि मौत के बाद एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया, लेकिन पुलिस उन्हें कुछ भी बता नहीं रही है, इस मामले में अब तक भावना के पति से पूछताछ तक नहीं हुई है**

राजपूत करणी सेना के कई पदाधिकारी शामिल हुए। डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने परिजनों को समझाकर मामला शांत करवाया। मृतक भावना का पीहर वल्लभनगर क्षेत्र के मंदेरिया, दरौली गांव का है। उसकी शादी 13 महीने पहले बेडवास के हेमेन्द्र सिंह से हुई थी। बेडवास क्षेत्र की रहने वाली भावना कुंवर (19) पत्नी हेमेन्द्र सिंह को दो अप्रैल को तबीयत बिगड़ने के बाद निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पीहर पक्ष ने हत्या की आशंका जताई और एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया। मौत के बाद से लगातार पीहर पक्ष भावना के पति हेमेन्द्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने पर अड़ा था, मगर प्रतापनगर पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया।

भावना के भाई अर्जुन सिंह ने बताया कि हेमेन्द्र की किसी युवती से दोस्ती थी। इस कारण वह झगड़ा करता था। लगातार नशे की हालत में भावना के साथ मारपीट करके टॉर्चर करता था। भावना को पीहर पक्ष में भी किसी से भी बात नहीं करने देता था। कई बार परिजनों ने आपसी समझाइश कर यह मामला शांत करवाया था। भावना के चाचा लालसिंह ने बताया 1 और 2 अप्रैल को भावना के साथ मारपीट की गई। भावना ने हेमेन्द्र के फोन में लड़कियों से की जा रही चैट को देख लिया था। परिजनों को बताया तो हेमेन्द्र ने टॉर्चर करना शुरू कर दिया था। लालसिंह ने बताया कि भावना के तबीयत बिगड़ने के दिन भी हमने लगातार फोन किए लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। पड़ोसियों से पता लगा कि उसे हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है। जब तक हम लोग पहुंचे तो भावना होश में नहीं थी, उसके गले और हाथ-पांव पर मारपीट के निशान थे। हेमेन्द्र ने हमसे कुछ बात नहीं की और उसके परिजन भी मामले को दबाते रहे। भावना के पिता केसर सिंह ने बताया कि मौत के बाद एमबी हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाया, लेकिन पुलिस उन्हें कुछ भी बता नहीं रही है। इस मामले में अब तक भावना के पति से पूछताछ तक नहीं हुई है।

मैच के बाद क्रिस ब्रॉड, जो स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता हैं, ने उनसे अपने बेटे के लिए एक जर्सी पर ऑटोग्राफ देने को कहा था। युवराज ने जर्सी पर संदेश भी लिखा था, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए ब्रॉड के बेहतर भविष्य की कामना की थी। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, स्टुअर्ट ब्रॉड को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

टिम वाइट

हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को तुषार खांडेकर की जगह ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच टिम वाइट को जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। खांडेकर 2023 से जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ थे। राष्ट्रीय महासंघ ने इस बदलाव के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और वाइट के अनुबंध के कार्यकाल का खुलासा भी नहीं किया। वाइट ने हाल में इस साल जनवरी में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में 'अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स' के मुख्य कोच के तौर पर काम किया था। उन्हें बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया में भी कोचिंग करने का अनुभव है।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा द्वारा 2014 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया 264 रन किसी भी खिलाड़ी द्वारा वनडे में सबसे अधिक रन है।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम मैदान पर आईपीएल लीग मैचों में से चार मैच जयपुर में खेले जाएंगे जिसकी तैयारिया पूरे जोर शोर से जारी है जिसमें दर्शकों के बैठने की कुर्सियां ठीक की जा रही है साथ ही मैदान को मेंटेन किया जा रहा है।25 अप्रैल को आईपीएल का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। इस बार मैदान पर आईपीएल मैच के दौरान रोशनी पहले के मुकाबले ज्यादा रहेगी। क्योंकिचारों पोलों से फ्लड लाइटें बदलने का काम लगभग जारी है। इन पर नई एलईडी फ्लड लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, 7 छक्के लगाए, जुरेल ने भी फिफ्टी लगाई

गुवाहाटी, 10 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से बुरी तरह हरा दिया है। वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरैल की धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण आरसीबी के गेंदबाजी 201 रन के स्कोर को डिफेंड नहीं कर सके। राजस्थान रॉयल्स ने 202 रनों के लक्ष्य को 18 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज की है, वहीं आरसीबी को इस टूर्नामेंट में यह पहली हार मिली है। चार मैचों में चार जीत के साथ राजस्थान की टीम पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर बनी हुई है। इसके गेंदबाज रवि बिश्नोई के नाम पर्पल कैप है, जबकि वैभव सूर्यवंशी के पास ऑरेंज कैप है।

बारिश के कारण पूरे 1 घंटे से अधिक की देरी से शुरू हुए मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुरुआती ओवरों में उनका फैसला सही साबित हुआ। पावरप्ले में निश्चित तौर पर राजस्थान के गेंदबाजों की जीत हुई। वे ना सिर्फ रन रोकने में सफल हुए हैं बल्कि तीन बड़े बल्लेबाजों को आउट किया। जोफ्रा आर्चर ने पारी की पहली गेंद पर ही फिल साल्ट को चलता किया। इसके बाद तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर देवदत्त पडिकल्ल को भी अपना शिकार बनाया।

पारी के पांचवें ओवर में रवि बिश्नोई ने विराट कोहली को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर आरसीबी के विकेट गिरते रहे और एक वक्त तक तो 93 रनों के स्कोर पर टीम के 6 विकेट हो चुके थे। वहां से 201 के स्कोर तक पहुंचना मुश्किल था लेकिन कप्तान पाटीदार और अंत में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वेंकटेश अय्यर ने अपना प्रभाव जमाया और टीम को एक बडे लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार ने चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 40 गेंदों में 63 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में 29 रन जबकि रोमारियो शेफर्ड ने 11 गेदों में 22 रन बनाए। शुरुआत में कोहली ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए। इन बल्लेबाजों के अलावा कोई भी बड़ा स्कोर नहीं कर सका।

वैभव ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां

वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ मुकाबले में 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वह आईपीएल में लगातार दो बार 15 गेंदों के अंदर फिफ्टी लगाने वाले पहले बैटर बन गए हैं। राजस्थान रॉयल्स के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपने बल्ले से सबको चौंका दिया है।

झुंझुनूं का शेर इंडियन प्रीमियर लीग में गरजा

// मुकुल चौधरी ने 27 गेंदों में जड़ा तूफानी अर्धशतक //

आखिरी ओवर में लखनऊ को दिलाई सांसें रोक देने वाली जीत

झुंझुनूं/ जयपुर, 10 अप्रैल। क्रिकेट के सबसे बड़े मंच ''इंडियन प्रीमियर लीग'' में इस बार शेखावाटी की धरती से एक नया सितारा चमका है। झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी क्षेत्र की मिट्टी से निकले युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने गुरुवार को अपनी विस्फोटक पारी से न सिर्फ मैच का रुख पलट दिया, बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में मुकुल ने मात्र 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन ठोककर लखनऊ को 3 विकेट से रोमांचक जीत दिला दी।

आखिरी ओवर का 'महाभारत': जब मुकुल बने संकटमोचक

मैच का फैसला आखिरी ओवर में होना था। जीत के लिए 14 रन चाहिए थे और गेंदबाजी कर रहे थे वैभव अरोड़ा , दबाव अपने चरम पर था, लेकिन मुकुल ने हिम्मत नहीं हारी। दूसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का, तीसरी-चौथी गेंद पर सन्नाटा, पांचवीं गेंद पर फिर छक्का लगाया। हर शॉट के साथ स्टेडियम में रोमांच चरम पर पहुंचता गया और अंततः मुकुल ने मैच को अपने नाम कर लिया।

खेतों की पगडंडी से आईपीएल के मैदान तक

झुंझुनूं के छोटे से गांव खेदड़ों की ढाणी में जन्मे मुकुल का सफर संघर्षों से भरा रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को जिंदा रखा। सीकर की एसबीएस क्रिकेट एकेडमी में उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां सीखीं और अपनी प्रतिभा को तराशा। उनकी काबिलियत

का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे राजस्थान अंडर-17 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

युवाओं के लिए मिसाल, सपनों को दी उड़ान -

मुकुल की यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है, जो छोटे शहरों और गांवों से निकलकर बड़ा मुकाम हासिल करना चाहते हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही दिशा मिले तो कोई भी सपना छोटा नहीं होता।

शेखावाटी में जश्न, हर जुबां पर मुकुल का नाम -

जैसे ही जीत की खबर आई, झुंझुनूं सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव-गांव में मिठाइयां बांटी जा रही हैं, सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा है। स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि मुकुल आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाकर देश और अपने क्षेत्र का नाम और रोशन करेंगे।

ओडिशा की एलिश एक्का ने रचा इतिहास

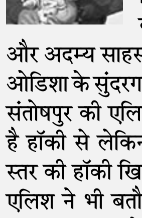

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। महज 17 साल की उम्र में ओडिशा की एलिश एक्का ने इतिहास रच दिया है। एक्का के गले में चमकता सिल्वर मेडल सिर्फ एक खेल की जीत नहीं बल्कि उनकी मां के अथाह त्याग और अदम्य साहस का एक सुंदर उदाहरण भी है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक साधारण से गांव संतोषपुर की एलिश एक्का की कहानी शुरु होती है हॉकी से लेकिन मां प्रमिला एक्का खुद राज्य स्तर की हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं। मां की तरह एलिश ने भी बतौर स्ट्राइकर हॉकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा लेकिन टीम स्पोर्ट्स में मिलने वाले सीमित मौकों ने एलिश को अपने खेल सफर पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर किया।

एशिया चैम्पियनशिप में आयुष शेट्टी का कारनामा

दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एशिया चैंपियनशिप 2026 के मेंस सिंगल क्वार्टरफाइनल में शानदार खेल दिखाया है। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया है, जो दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं। इस जीत के साथ ही भारत का एक मेडल पक्का हो गया है। हालांकि, आयुष सेमीफाइनल में भी अपनी इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे और जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह बनाना चाहेंगे।20 वर्षीय आयुष ने 2023 में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, इस मैच में दबाव में भी बिल्कुल शांत रहे। पहले गेम में उन्होंने दो गेम प्वाइंट्स बचाए और खुद एक पॉइंट चूकने के बाद भी 23-21 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ी कई बार बराबरी पर थे, लेकिन 10-9 की बढ़त लेने के बाद आयुष ने अपनी लय बनाए रखी और 21-17 से मैच अपने नाम कर लिया। ये मुकाबला 54 मिनट तक चला। इस जीत के साथ आयुष शेट्टी अब सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से भिड़ेंगे। आयुष इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी गेम नहीं हारे हैं जो उनकी फॉर्म को दिखाता है। आयुष ने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भी मजबूत विरोधियों को हराया था। इस दौरान उन्होंने चीन के 7वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शी फेंग और चाइनीज ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर फाइनल तक पहुंच बनाई थी। आयुष शेट्टी की ये जीत न सिर्फ उनके करियर के लिए बल्कि पूरे भारतीय बैडमिंटन के लिए बेहद अहम है। युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास और मैच फिनिशिंग स्किल इस टूर्नामेंट में सबसेज्यादा चर्चा में रहा है।

एसआर स्पेस क्रिकेट अकादमी जीती

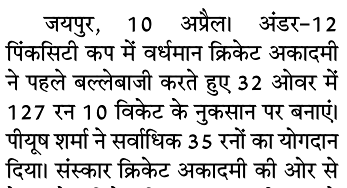

जयपुर, 10 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवर में 127 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। पीयूष शर्मा ने सर्वाधिक 35 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से केशव ने 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसआर स्पेसक्रिकेट अकादमी ने 31 ओवर में 128 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। आदित्य ने 30 और मनन सिंह ने 25 रनों को योगदान दिया। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से गितेश पुरोहित ने 4 विकेट लिए।

बाबर आजम ने सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया

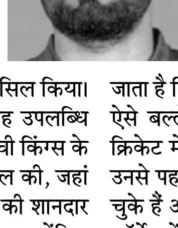

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बता दें कि उन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया है, जो उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के मुकाबले के दौरान हासिल किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह उपलब्धि उन्होंने पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में हासिल की, जहां बाबर आजम ने नाबाद 87 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने कुसल मेंडिस के साथ मिलकर 191 रनों की बड़ी साझेदारी की, जिसकी बदौलत टीम ने निर्धारित ओवरों में 246 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गौरतलब है कि बाबर आजम ने यह रिकॉर्ड 338 पारियों में पूरा किया, जिससे उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने में 343 पारियां ली थीं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 360 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। बताया जाता है कि बाबर आजम पाकिस्तान के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 12 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनसे पहले शोएब मलिक यह कारनामा कर चुके हैं और अब भी पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। इस शानदार पारी से एक दिन पहले बाबर आजम का एक बयान भी चर्चा में था, जिसमें उन्होंने एक पत्रकार के सवाल पर नाराजगी जताई थी।

विश्वनाथ को गोल्ड, भारत ने एशियाई मुक्केबाजी अभियान का समापन 5 स्वर्ण पदक के साथ किया

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारत ने शुक्रवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अपने यादगार अभियान का समापन पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश के स्वर्ण पदक के साथ किया। विश्वनाथ ने फाइनल में दबदबा बनाते हुए जापान के दाइची इवाई को 5-0 से शिकस्त दी।

सचिन (60 किलोग्राम) ने कड़े मुकाबले में रजत पदक जीतकर पदकों की संख्या में इजाफा किया जिससे पुरुषों की टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। भारत पदक तालिका में पांच स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कजाकिस्तान ने भारत से एक स्वर्ण पदक ज्यादा जीता और तालिका में शीर्ष पर रहा। हालांकि कुल मिलाकर सबसे अधिक (16) पदक भारत ने ही जीते। इस प्रदर्शन की सबसे बड़ी खासियत भारतीय महिला टीम का

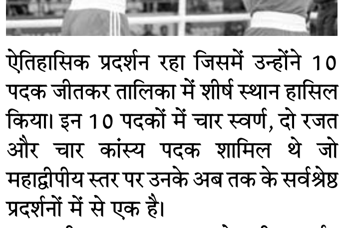

ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा जिसमें उन्होंने 10 पदक जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इन 10 पदकों में चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे जो महाद्वीपीय स्तर पर उनके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है।

राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्वनाथ ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जो मुक्केबाजी की दुनिया में उनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और सफलता का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। विश्वनाथ ने अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी एक मजबूत पहचान बना ली है। उलानबटोर में उनका अभियान विशेष रूप से प्रभावशाली रहा जिसमें फाइनल तक पहुंचने के क्रम में उन्होंने दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज को हराकर उलटफेर किया।

टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''भारतीय मुक्केबाजी और हमारी महिला मुक्केबाजों के लिए यह एक असाधारण अभियान रहा है। हमारी महिलाओं ने चार स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हमारी पुरुष टीम का प्रदर्शन भी एक बार फिर प्रभावशाली रहा, विशेष रूप से युवा विश्वनाथ का जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता।

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज जयपुर में होगी आयोजित

जयपुर, 10 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग कल दिनांक 11 अप्रैल 2026 को दोपहर 2 .00 बजे आरसीए कार्यालय , आरसीए अकादमी , सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित होगी। **आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग के मुख्य एजेंडे:-** आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र, जिला क्रिकेट संघों की समस्याएं, राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल), आईपीएल, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, आरसीए अवार्ड समारोह, अन्य मुद्दे। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी , अर्जुन बेनीवाल , अरिष्ट सिंघवी उपस्थित रहेंगे।

इंडियन सुपर लीग के व्यावसायिक फैसले पर भारतीय फुटबॉल महासंघ-क्लबों में टकराव

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। भारतीय फुटबॉल में इस समय एक अहम व्यावसायिक फैसले को लेकर खींचतान का माहौल बनता दिख रहा है और इससे लीग के भविष्य को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, इंडियन सुपर लीग के क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से यह मांग की है कि संभावित व्यावसायिक साझेदारों से सीधे बातचीत का मौका दिया जाए। क्लबों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ बोली मिलने के आधार पर नहीं, बल्कि कंपनियों की पूरी योजना, राजस्व मॉडल और दीर्घकालिक दृष्टि को समझकर लिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस प्रक्रिया के लिए पहले से एक मूल्यांकन समिति बनाई गई थी, जिसमें क्लबों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब समिति मौजूद है, तो फिर क्लबों को अलग से बातचीत की जरूरत क्यों पड़ रही है। यही वजह है कि पूरे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी चर्चा तेज हो गई है। बता दें कि इस टेंडर प्रक्रिया में दो प्रमुख कंपनियों ने बोली लगाई है, जिनमें एक की बोली करीब 64 करोड़ रुपये सालाना और दूसरी की करीब 36 करोड़ रुपये सालाना बताई जा रही है। हालांकि यह आंकड़े पहले के कमर्शियल डील द्वारा सुझाए गए खर्च और संभावित आय के मुकाबले काफी कम माने जा रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, क्लबों ने यह भी कहा है कि उन्हें टेंडर प्रक्रिया की शुरुआती शर्तों के निर्माण में शामिल नहीं किया गया था, जबकि यह समझौता भारतीय फुटबॉल के कमर्शियल ढांचे और भविष्य को सीधे प्रभावित करेगा।

जय भारतीय क्रिकेट अकादमी ने 9 विकेट से मुकाबला जीता

जयपुर, 10 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी व जय भारती क्रिकेट अकादमी के मध्य मुकाबला खेला गया। जिसमें राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.5 ओवर में 233 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें इशांत यादव ने 88 रन व पुनीत यादव ने 60 रन व नीलय अरोड़ा ने 30 रनों का योगदान दिया। जय भारती क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में कृष्णा ने तीन विकेट और सचिन मीणा, तेजस जोशी, नितिन सिंह गहलोत ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट अकादमी 30.5 ओवर में 234/1 रन बनाकर सेमी फाइनल में जगह बना ली।

जोधपुर एकेडमी बनी चैम्पियन, रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में झुंझुनूं को हराया

चित्तौड़गढ़, 10 अप्रैल। आल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार तथा राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जोधपुर फुटबॉल अकैडमी और झुंझुनू के मध्य खेला गया दोनों टीमें खेल का उच्च कोटि का प्रदर्शन किया पर फर्स्ट ऑफ में दोनों टीमें बराबर रही और अंतिम समय तक दोनों टीमे बराबर रही उसके बाद ट्राई ब्रेकर शूटआउट हुआ उसमें जोधपुर फुटबॉल अकैडमी, झुंझुनू, से 4 /2 से विजेता हुई।

भव्य समापन समारोह गुरुवार को सैनिक स्कूल मैदान पर गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और

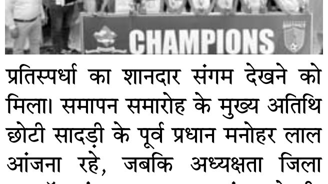

प्रतिस्पर्धा का शानदार संगम देखने को मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छोटी सादड़ी के पूर्व प्रधान मनोहर लाल आंजना रहे, जबकि अध्यक्षता जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भैरूलाल चौधरी, पूर्व सरस डेयरी चेयरमैन बद्री लाल जगपुरा, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी दिलीप सिंह शेखावत, और संघ संयुक्त सचिव दिनेश सिंह, सुनील और पवन शर्मा मौजूद खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा।

राष्ट्रीय स्तर का रास्ता खुला: चित्तौड़गढ़ सेक्रेटरी फैसल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि चार दिवसीय इस प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। इसी प्रतियोगिता के माध्यम से राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेगी।

विजेता-उपविजेता का सम्मान: फाइनल मैच के पश्चात आयोजित समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर दर्शकों ने तालियों की गूंज से उनका उत्साह बढ़ाया।

वैशाली का जलवा, टॉप पर रहकर वर्ल्ड चैम्पियनशिप की ओर बढ़ाया कदम

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। उज़्बेकिस्तान के जवोकिर सिंदरोव ने भारत के आर. प्रज्ञानानंदा को हराकर कैन्डिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना दबदबा कायम रखा और दसवें दौर के बाद दो अंक की बड़ी बढ़त कायम कर ली। सिंदरोव ने इस टूर्नामेंट में छठी जीत हासिल करते हुए कुल आठ अंक कर लिए, जिसमें भारत के युवा ग्रैंडमास्टर पर यह दूसरी जीत भी शामिल थी।

राजस्थान वेटरन टीम ने विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 10 अप्रैल। आईसीसी ग्राउंड, इंदौर में आयोजित तीन टीमों की मध्य क्षेत्र वेटरन टी-20 लीग में राजस्थान वेटरन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल मुकाबला कल मध्य प्रदेश और विदर्भ के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

राजस्थान टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। विदर्भ टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से हरीश मुंगसे

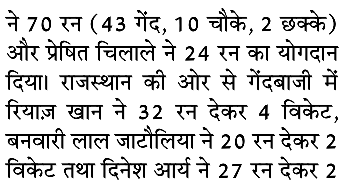

ने 70 रन (43 गेंद, 10 चौके, 2 छक्के) और प्रेषित चिलाले ने 24 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से गेंदबाजी में रियाज़ खान ने 32 रन देकर 4 विकेट, बनवारी लाल जाटौलिया ने 20 रन देकर 2 विकेट तथा दिनेश आर्य ने 27 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए। जवाबी पारी में राजस्थान की शुरुआत साधारण रही और 79 रन पर 5 विकेट गिर गए। हनुमत सिंह भाटी (30 रन), मोहम्मद अशरफ (23 रन) और अभिषेक शर्मा (12 रन) के आउट होने के बाद टीम संकट में थी। इसके बाद रियाज़ खान (44 रन नाबाद) और बनवारी लाल जाटोलिया (48 रन नाबाद) ने छठे विकेट के लिए 94 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को 5 विकेट से जीत दिलाते हुए फाइनल में पहुंचाया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच रियाज खान रहे।

राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता आज से

जयपुर, 10 अप्रैल। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के तत्वाधान में जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर (महिला व पुरुष) आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता दिनांक 11 अप्रैल 2026 को चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर प्रारंभ हो रही है। कानसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्तिसिंह रावलोत ने बताया कि इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में आज 18 जिलों से लगभग 200 जिमनास्ट एवं 32 अधिकारीगण सहित लोकल वालंटियर्स भाग ले रहे है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN

S.No. 19 Date 08.04.26

Notice Inviting Bid
(NIT No 02/2026-27)

Bids for 02 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 27.04.2026 (Monday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portalhttp://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 148.11 Lac

1. PWD2627WSOB00332
2. PWD2627WSOB00334

(Rachit Sharma)
Executive Engineer
PWD Elect. Dn Baran

DIPR/C/6697/2026

''ग्राम'' से किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता को मिलेगा एक मंच- भजनलाल शर्मा

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया

जयपुर, 10 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्प है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम- 2026) का आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि ''ग्राम'' के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रैल से ग्राम पंचायत स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इनमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा, जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर्स पर एकेडेमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी सरकार की

■ ग्राम 2026 का जयपुर में 23 से 25 मई को आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में शर्मा ने ग्राम 2026 के लोगो और ब्रोशर का अनावरण भी किया।

प्राथमिकता है कि किसान पारम्परिक खेती से हटकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ें तथा खेती में नई-नई तकनीकों का उपयोग कर समृद्ध एवं खुशहाल बनें। ग्राम-2026 के माध्यम से किसानों को विश्वभर से आए कृषि विशेषज्ञों से नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, वे वैश्विक मंच से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सम्मान के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

इस दौरान शर्मा ने ग्राम के लोगो का अनावरण एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, विभिन्न अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दक्षिणी राज्यों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। स्टालिन और अन्य मुख्यमंत्रियों ने इस असंतुलित परिसीमन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह बड़े राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश, को ज्यादा ताकत देता है और अन्य राज्यों को असहाय छोड़ देता है।

साथ ही, छोटे राज्यों ने भी इसे स्वीकार करने से इनकार किया है, क्योंकि इससे उनकी भूमिका नगण्य हो जाएगी।

सितंबर 2023 में सरकार ने विपक्ष के समर्थन से एक बिल पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि महिलाओं के आरक्षण को केवल जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू किया जा सकता है।

पर कांग्रेस ने कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं है, बस महिलाओं के आरक्षण को लागू किया जाए और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से प्रभावी किया जाए। अब सरकार एक अलग और जल्दबाजी वाली रणनीति अपना रही है, जो महिलाओं के आरक्षण के बजाय, राजनीतिक और रणनीतिक लाभ पर केन्द्रित है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष अब असमंजस की स्थिति में है, और वे संख्या प्रबंधन की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि संविधान संशोधन बिल विपक्ष के समर्थन के बिना नहीं लाया जा सकता।

कच्चे रास्ते पर सो रहे परिवार को ट्रेलर ने कुचला

माँ-बेटी और भांजी की मौत, तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

गुढ़ागौड़जी/झुंझुनूं, 10 अप्रेल (निसं)। थाना क्षेत्र जिले के नंगली दीपसिंह के समीप शुक्रवार अलसुबह ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। कच्चे रास्ते पर खुले आसमान के नीचे सो रहे एक भोपा परिवार पर अचानक मौत बनकर एक बेकाबू ट्रेलर चढ़ गया। भयावह हादसे में मां-बेटी और भांजी की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, भोपा समाज के रामस्वरूप और रूड़मल का परिवार गुरुवार शाम को ही नंगली दीपसिंह के पास एक खाली जगह पर आकर रुका था। रोजमर्रा की तरह सभी ने वहीं डेरा डाल लिया। रात को खाना खाने के बाद बच्चे और महिलाएं जमीन पर चादर बिछाकर खुले में सो गए। परिवार के साथ सो रहे लोगों में सुरेश भोपा की पत्नी होटकी, उसकी 13 साल की बेटी पायल उर्फ मोडी, 6 साल का बेटा संजय, 5 साल का बेटा संजीत, मुन्ना भोपा की 18 साल की बेटी रविना, 13 साल की बेटी प्रियंका, 8 साल का बेटा अनिल और 7 साल का बेटा सुनिल शामिल थे। सभी गहरी नींद

■ जिंदगी के लिए जूझ रहे बच्चों को जयपुर रैफर कर दिया गया है।

में थे, तभी सुबह करीब चार बजे एक तेज रफ्तार ट्रेलर कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया और सो रहे परिवार के ऊपर चढ़ गया, जिससे होटकी और उसके साथ सो रहे बच्चे बुरी तरह कुचल गए, जबकि अनिल बच गया। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत दौड़कर घायलों को संभाला। इस भयावह हादसे में होटकी की 13 वर्षीय बेटी पायल उर्फ मोडी की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को तुरंत गुढ़ागौड़जी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्रियंका को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान होटकी ने भी दम तोड़ दिया। घायलों में चार बच्चे अभी भी जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है, जबकि रविना का इलाज झुंझुनूं के राजकीय बीडीके अस्पताल में चल रहा है। हादसे के तुरंत बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि चालक ने अपने परिजनों को फोन कर बुलाया, जिनकी गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि चालक के परिजन घायलों को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद शुक्रवार सुबह जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए गुढ़ागौड़जी पहुंचे तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने भोड़की चौराहे पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर पहुंचे गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी सीआई सुरेश रोलन ने समझाइश कर लोगों को शांत किया और जाम खुलवाया। सीआई ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है, साथ ही मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पाक रक्षा मंत्री ने इज़रायल को ''शैतान'' और ''मानवता के लिए अभिशाप'' बताया

पर, इज़रायल के प्र.मंत्री नेतन्याहू की घुड़की के बाद यह पोस्ट डिलीट की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को अभूतपूर्व रूप से भड़काऊ काम किया, उन्होंने इज़रायल को ''दुष्ट'' और ''मानवता के लिए अभिशाप'' कहा, क्योंकि उसने यूएस-ईरान युद्धविराम के बीच लेबनान पर हमला किया। इस पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी नाराज़गी जताई।

आसिफ ने एक्स पर एक पोस्ट, जिसे अब डिलीट कर दिया है, में दावा किया कि ''इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेकिन लेबनान में नरसंहार जारी है।''

उन्होंने लिखा, ''इज़रायल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है, पहले गाज़ा, फिर ईरान और अब लेबनान, रक्तपात बिना रुके जारी है।''

आसिफ ने आगे कहा, ''मैं आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि जिन्होंने यूरोपीय यहूदियों को हटाने के लिए फिलिस्तीनी भूमि पर यह कैंसर जैसा राज्य बनाया, वे नर्क में जलें।''

■ ख्वाज़ा आसिफ ने इज़रायल की तुलना कैंसर से की और कहा, इज़रायल सिर्फ लड़ाई चाहता है। उनका इशारा समझौता वार्ता के बीच में इज़रायल द्वारा लेबनान पर हमला करने के संदर्भ में था।

■ नेतन्याहू ने इस पर कड़ा विरोध जताया और कहा, इज़रायल को ''कैंसर'' बताने का अर्थ है, वे इज़रायल का खात्मा करना चाहते हैं और जो इज़रायल का विनाश चाहते हैं, हम उनसे लड़ेंगे।

नेतन्याहू ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इज़रायल को नष्ट करने का आ ान ''असहनीय'' है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ''यह कोई ऐसा बयान नहीं है, जिसे कोई सरकार सहन कर सके, खासकर उस सरकार की तरफ से, जो शांति के लिए तटस्थ मध्यस्थ होने का दावा करती है।''

इज़रायल के विदेश मंत्री गिदेओन सार ने भी पाकिस्तान के नेतृत्व की सार्वजनिक रूप से निंदा की, यह दर्शाते हुए कि यह दो देशों के बीच एक दुर्लभ प्रत्यक्ष कूटनीतिक टकराव है, जो औपचारिक संबंध नहीं रखते।

सार ने इसे ''साफ-साफ यहूदी-विरोधी भड़काऊ आरोप'' बताया और चेतावनी दी कि इज़रायल को ''कैंसर जैसा'' बताना, वास्तव में उसके विनाश की मांग करना है। उन्होंने कहा कि इज़रायल ''उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करेगा, जो इसके विनाश की कसम खाते हैं'', और यह दर्शाया कि तेल अवीव इस्लामाबाद से निकल रहे कड़वे भाषण को गंभीरता से ले रहा है।

इस बीच, नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लेबनान के साथ ''जितनी जल्दी संभव हो, सीधे वार्ता'' करने का आदेश दिया है। यह कदम तब आया है, जब यूएस, इज़रायल और ईरान के बीच दो सप्ताह के नाज़ुक युद्धविराम पर खतरा मंडरा रहा है, विशेषकर इज़रायल के लेबनान में सैन्य अभियान की तेज़ी के बाद।

उनके कार्यालय ने बयान में कहा, ''लेबनान की बार-बार की मांग के मद्देनजर कि इज़रायल के साथ सीधे वार्ता खोली जाए, मैंने कल कैबिनेट को निर्देश दिया कि जितनी जल्दी संभव हो, लेबनान के साथ सीधे वार्ता शुरू की जाए।''

बयान में आगे कहा गया, ''वार्ता का मुख्य उद्देश्य हिज़्बुल्लाह को निरस्त्र करना और इज़रायल और लेबनान के बीच शांति संबंध स्थापित करना होगा। इज़रायल आज लेबनान के प्रधानमंत्री द्वारा बेरुत को निरस्त्रीकरण करने के आ ान की सराहना करता है।''

हुमायूँ कबीर के वीडियो के बाद ओवैसी ने तोड़ा गठबंधन

ओवैसी ने कहा, उनकी पार्टी ऐसी किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती, जिससे मुसलमानों की ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लग जाए

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। चुनाव से कुछ दिन पहले, तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की राजनीति में उस समय हलचल पैदा कर दी, जब उसने एक स्टिंग वीडियो जारी किया। वीडियो में आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) नेता हुमायूं कबीर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ अपने संपर्क के बारे में बात करते दिख रहे हैं। वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हुई है और कबीर ने इसे एआई जनित बताते हुए खारिज कर दिया है।

वीडियो में यह बातचीत है कि कबीर को मुसलमान मतदाताओं को तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ वोट देने के लिए प्रभावित करने के लिए पैसा मिलेगा।

तृणमूल कांग्रेस ने किसी भी राजनीतिक नेता या पार्टी के खिलाफ कोई सीधे आरोप नहीं लगाए। परंतु अप्रत्यक्ष रूप से, टीएमसी भाजपा को इसमें घसीट लायी और कहा कि यह कदम एक बड़ी राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। गैर-टीएमसी पार्टियों ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह वीडियो ऐसे समय पर जारी किया गया, जब चुनावों से पहले यह लोगों का अधिक ध्यान खींचेगा।

इस राजनीतिक नाटक के बाद, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की ''आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी)'' के साथ गठबंधन तोड़ दिया। दोनों नेता

■ तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो जिसमें हुमायूँ कबीर को भाजपा नेताओं के साथ तृणमूल के खिलाफ साजिश रचते हुए दिखाया गया है, को हुमायूँ ने ''एआई निर्मित'' कहकर खारिज कर दिया।

■ तृणमूल छोड़ने के बाद, मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का आह्वान कर हुमायूँ कबीर ने मुसलमानों में पैठ बना ली थीं, पर, इस वीडियो से उनकी छवि बिगड़ी है और इससे तृणमूल को फायदा होने की उम्मीद है।

मुसलमान वोट बैंक को मजबूत करने के विचार से एक साथ काम मिलकर कर रहे थे, ताकि तृणमूल कांग्रेस को नुकसान पहुँचाया जा सके।

एआईएमआईएम ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा, ''हुमायूं कबीर के खुलासे दिखाते हैं कि बंगाल के मुसलमान कितने संवेदनशील हैं। एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से जुड़ी नहीं रह सकती, जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठता हो। आज एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन वापस ले लिया है।''

एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज़ के लिए एकल स्तर पर काम करेगी। यह घोषणा उस दिन की गई, जब ओवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

इस घटनाक्रम से मुसलमान बहुल जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा और साउथ 24 परगना में टीएमसी की संभावनाएँ मजबूत हो सकती हैं।

कबीर, जो पूर्व में टीएमसी विधायक रह चुके हैं, ने मध्य बंगाल, खासकर मुर्शिदाबाद जिले में लोकप्रियता हासिल कर ली है, खासकर बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद बनाने के अपने आ ान के बाद। कबीर ने पिछले साल दिसम्बर में टीएमसी से निष्कासित होने के बाद अपनी पार्टी बनाई। कबीर अक्सर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते रहे हैं।

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस वर्मा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज कर दी थी।

'ट्रम्प ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की ओर धकेलते रहे हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडेन ने ऐसे प्रस्तावों को पहले ठुकरा दिया था। तुर्किए की सरकारी समाचार सेवा अनाडोलू एजेंसी (एए) ने बोस्टन पब्लिक रेडियो पर दिए एक इंटरव्यू के हवाले से बताया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रवैया बड़े वैश्विक और आर्थिक नतीजों को जन्म दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नाजुक सीज़फायर पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने मौजूदा दो हफ़्ते के सीज़फ़ायर पर सवाल उठाते हुए इसे बेहद ढीला-ढाला बताया। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, जो एक पूर्व सीनेटर भी हैं और साल 2015 में उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी।

प्र.मंत्री मोदी और ममता बनर्जी में तेज हुआ ''फिश वॉर''

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, ममता बनर्जी की गलत नीतियों के कारण बंगाली लोगों को अन्य राज्यों से मछली मंगानी पड़ती हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्वी मिदनापुर में एक सभा में कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार मछली पालन में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में विफल रही है, जबकि राज्य में इसकी भारी मांग है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से पूछा कि पिछले 15 वर्षों में यह क्या कर रही थी, क्योंकि मछली की अत्यधिक मांग वाले इस राज्य को इसकी कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से मछली लानी पड़ रही है।

■ प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल में मछली उत्पादन के भारी अवसर हैं, फिर भी राज्य आत्मनिर्भर नहीं है।

■ ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को खुद को अपडेट रखना चाहिए, हम पहले आँध्र से मछली मंगाते थे, पर, अब इसकी जरूरत नहीं पड़ती।

प्रधानमंत्री मोदी की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए, बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना में एक रैली में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बंगाल पहले आंध्र प्रदेश से मछली आयात करता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को अपडेट रखें।

बनर्जी ने कहा, ''मैंने सुना कि आज उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं होता, जबकि बिहार ज्यादा उत्पादन कर रहा है और निर्यात भी कर रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहाँ हम बाजार से मछली खरीदकर खाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में कहा, ''पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन, मत्स्य उद्योग और सी फूड उत्पादन के मामले में बहुत बड़े अवसर हैं, यहाँ मछली की भारी मांग के बावजूद, राज्य मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है।''

उन्होंने इस जनसभा के एक वीडियो में कहा, ''आज भी बंगाल को घरेलू मांग पूरी करने के लिए अन्य राज्यों से मछली आयात करनी पड़ती है। सत्ता में 15 साल रहने के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस आपको मछली जैसी बुनियादी चीज़ भी उपलब्ध कराने में विफल रही, वह भी राज्य के बाहर से लानी पड़ती है।''

प्रधानमंत्री ने इस स्थिति के लिए ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोला और कहा, ''यह तृणमूल की भ्रामक नीतियों का एक स्पष्ट उदाहरण है। पिछले 11 वर्षों में भारत का कुल मछली उत्पादन दोगुना हो गया है।

भारत का सी फूड निर्यात दोगुना हो गया है। फिर भी, बंगाल में केवल तृणमूल सरकार की वजह से, जो उपलब्धि देश के बाकी हिस्सों में हासिल की गई, वह यहाँ नहीं हो पायी।''

रैली के दौरान उन्होंने कहा कि अगर भाजपा विधानसभा चुनाव जीतती है तो बंगाल के लिए छह गारंटियाँ दी जाएंगी। उन्होंने ''क्रूर'' तृणमूल सरकार को हटाने की मांग की तथा उस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह ''विकास की नई विफलताओं के मानक बना रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है।''

सीज़फायर दो पार्टियों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना चाहिए, कब तक टिकेगा।

तीसरा, संघर्ष का प्रॉक्सी के माध्यम से फैलाव, विशेषकर लेबनान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में, जहाँ इज़रायल के अभियान व्यापक थिएटर को भड़काने का जोखिम उठाते हैं। इनमें से प्रत्येक आपस में जुड़ा हुआ है, और ये मिलकर ये संकट के अगले चरण को परिभाषित करते हैं।

होर्मुज़ स्ट्रेट अब भी सबसे महत्वपूर्ण लीवर बना हुआ है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग एक चौथाई हिस्सा इस संकरे मार्ग से गुजरता है, जिससे यह आर्थिक रक्तवाहिनी है, साथ ही धमनियों और रणनीतिक जाम के बिंदु, दोनों के रूप में काम करता है। ईरान के नियंत्रित व्यवधान ने सिर्फ कुछ देशों के जहाजों को पारगमन की अनुमति दी है और उसने स्ट्रेट बंद करने की क्षमता का संकेत भी दिया है। ईरान ने पहले ही दिखा दिया है कि असमानता पारंपरिक शक्ति से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। पूरी तरह से बंद न होने पर भी, केवल अनिश्चितता ने शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और ऊर्जा कीमतों को बढ़ा दिया है। भारत जैसे आयातक देशों के लिए, जोखिम केवल उच्च तेल बिल नहीं है, बल्कि वह अस्थिरता है, जो वित्तीय योजना और मुद्रास्फीति प्रबंधन को जटिल बनाती है।

सप्ताहों के बढ़ते तनाव के बाद प्रबंधित युद्धविराम अस्थायी शांति के अलावा कोई अधिक राहत नहीं देता। यह मुख्य विवादों को संबोधित नहीं करता: ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, अमेरिका-इज़रायल सुरक्षा समीकरण, और विभिन्न संगठनों के माध्यम से तेहरान का क्षेत्रीय प्रभाव। वास्तव में, यह विराम सभी पक्षों को पुनर्गठित होने का अवसर देता है। वॉशिंगटन अपनी निवारक क्षमता की सीमाओं का मूल्यांकन कर सकता है; तेहरान दबाव के लचीलेपन का परीक्षण कर सकता है, बिना उस सीमा को पार किए, जो भारी प्रतिशोध को आमंत्रित करे। यह क्लासिक ब्रिंकमैनशिप है, जहाँ संयम सामरिक है, परिवर्तनकारी नहीं।

अधिक चिंताजनक बात यह है कि संघर्ष क्षेत्र में फैल रहा है। लेबनान में इज़राइल के लगातार हमले और ईरान समर्थित समूहों की लगातार गतिविधियाँ यह संकेत देती हैं कि युद्धक्षेत्र छोटा नहीं हुआ, बल्कि स्थानांतरित हुआ है। ऐसे प्रॉक्सी टकराव संभावित इनकार की अनुमति देते हैं जबकि दबाव भी बनाए रखते हैं। फिर भी, ये गलत आकलन का जोखिम बढ़ाते हैं। एक उच्च-हानि वाला हमला या गलत संकेत युद्धविराम को तोड़ सकता है और व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है, जिसमें कई अभिनेता प्रतिस्पर्धी लाल रेखाओं के साथ शामिल हो सकते हैं।

आर्थिक परिणाम पहले ही दिखाई देने लगे हैं। तेल बाजारों में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है, लेकिन द्वितीयक प्रभाव अधिक दीर्घकालिक साबित हो सकते हैं। शिपिंग मार्गों में व्यवधान न केवल ऊर्जा, बल्कि रसायन, उर्वरक और मैन्युफैक्चरिंग के महत्वपूर्ण इनपुट को प्रभावित करता है। आपूर्ति श्रृंखलाएँ, जो पहले के झटकों से उबर ही रही हैं, फिर से तनाव का सामना कर रही हैं। वित्तीय बाजार, इस बीच, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम को शामिल कर रहे हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नकद पूंजी की स्थितियों को प्रभावित कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए, इसका अर्थ मुद्रा दबाव और आयातित महंगाई होता है-एक असुविधाजनक मिश्रण, जब विकास अभी भी असमान है।

एक रणनीतिक सबक भी सामने आ रहा है। यह संघर्ष गहन राजनीतिक विवादों को हल करने में सैन्य श्रेष्ठता की सीमाओं को रेखांकित करता है। सटीक हमले और तकनीकी प्रभुत्व क्षमताओं को कमजोर कर सकते हैं, लेकिन उद्देश्य को समाप्त नहीं करते। भूगोल, प्रॉक्सी और आर्थिक जाम बिंदुओं का उपयोग करने की ईरान की क्षमता आधुनिक संघर्ष में व्यापक बदलाव को उजागर करती है, जहाँ प्रभाव नेटवर्क के माध्यम से लागू होता है, न कि मोर्चे से।

भारत के लिए, प्रभाव तत्कालिक है और इसकी कई परतें हैं। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी सुरक्षा, और खाड़ी के माध्यम से व्यापार मार्ग, सभी परतें उजागर हो गई हैं। कूटनीतिक संतुलन, एक साथ अमेरिका, इज़रायल और ईरान के साथ संबंध बनाए रखना, में नयी कुशलता की आवश्यकता होगी। यह संकट भारत के ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत करने और रणनीतिक भंडार को मजबूत करने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

अंत में, वर्तमान समय समाधान के बजाय पुन:समायोजन के बारे में है। बंदूकें अस्थायी रूप से शांत हो सकती हैं, लेकिन मूल प्रतिस्पर्धा अब भी अनसुलझी है। आगे जो आने वाला है, वह स्थिरता की वापसी नहीं है, बल्कि अधिक जटिल संतुलन है, जहाँ तनाव प्रबंधित किया जाता है, मिटाया नहीं जाता, और अगली वृद्धि घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि संचित घर्षण से उत्पन्न हो सकती है।

ईरान ने इस्लामाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दामाद जैरेड कुश्नर (जबरदस्ती) भी शामिल हैं।

ईरान ने पहले कह दिया था कि वह स्टीव विटकोफ या जैरेड कुश्नर के साथ बातचीत नहीं करेगा। दूसरी ओर, वैंस ने खुलासा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने वार्ता के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं, साथ ही उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अमेरिका के साथ खेल नहीं खेला जाए और वार्ता ईमानदारी से हो।

इन सब जटिलताओं के बीच, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गलीबाफ ने कुछ बहुत कठिन शर्तें रखी हैं, जिन्हें पूरा किए बिना वार्ता शुरू नहीं हो सकती।

गलीबाफ, जो संभवतया अब शक्तिशाली आईआरसीसी पर पूरी पकड़ रखने वाले असली सर्वोच्च नेता हो सकते हैं, ने मांग की कि वार्ता शुरू होने से पहले ईरान के सभी रोके गए फंड रिलीज़ किए जाएँ। अमेरिकी और पश्चिमी बैंकों में ईरानी फंड्स का एक बड़ा हिस्सा फ्रीज़ हैं, जो अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के आधार पर रोके गए हैं। ये मुख्य रूप से ईरान की तेल से हुई आय हैं।

ईरानी फंड्स को रिलीज़ करना कभी भी युद्धिवराम वार्ता का हिस्सा नहीं रहा। गलीबाफ ने इसे चतुराई से उस समय उठाया, जब ईरान के लिए यह सबसे सुविधाजनक था।

दूसरी शर्त के रूप में, ईरान यह जोर भी दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा शामिल हो और लेबनान में युद्धिवराम हो, तभी वार्ता शुरू हो सकती है। यह ईरान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लेबनान स्थित हिज़बुल्लाह ईरानी स्टेट की एक विस्तारित शाखा है।

हिज़बुल्लाह पर इज़रायल लगातार हमले कर रहा है और उसे नुकसान पहुँच रहा है। अगर यह लगातार जारी रहा, तो ईरान की अपनी संरक्षित शासन प्रणालियों का समर्थन करने की प्रतिष्ठा भी खतरे में पड़ सकती है। यह ईरान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके कई आभासी शासन विभिन्न रूपों में लड़ाई लड़ रहे हैं।

गलीबाफ अच्छी तरह जानते हैं कि ये शर्तें अमेरिका या इज़रायल तुरंत पूरी नहीं कर सकते। ये शर्तें ईरान को वार्ता के दौरान अन्य रियायतें निकालने का अवसर देती हैं। ये शर्तें वार्ता को मूल मुद्दे, होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने और उसमें स्वतंत्र पारगमन बहाल करने से भी भटका सकती हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की पूर्व शर्तों में होर्मुज़ स्ट्रेट का तुरंत और बिना शर्त खुलना शामिल है। ट्रंप को एहसास है कि अगर होर्मुज़ स्ट्रेट बंद रहा और ईरान के नियंत्रण में रहा, तो तेल की कीमतें स्थायी रूप से उच्च हो सकती हैं। पेट्रोल पंप पर तेल की कीमतें अमेरिकी राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक हैं।

वार्ता की आंतरिक परिस्थितियों को देखते हुए, ट्रंप के लिए यह ईरानी नेताओं से अधिक जरूरी है कि एक उचित समझौता हो। ट्रंप के लोकप्रियता रेटिंग में जो सबसे अपमानजनक गिरावट आई है और यह मुद्दा उनके पुराने समर्थकों में भी निहित विरोध पैदा कर रहा है।

उच्च कीमतें अमेरिकी जनता के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई हैं और वे इसका विरोध करने लगे हैं। रिपब्लिकनों और पूर्व एमएजीए समर्थकों में भी ट्रंप के युद्ध के आदेश के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है।

ईरान को लुभाने के लिए, ट्रंप ने अब ईरान के साथ टोल्स संग्रह के एक साझा उद्यम का प्रस्ताव रखा है। सामान्यत:, किसी भी अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर किसी तटीय देश को पारगमन के लिए टोल लेने का अधिकार नहीं है। फिर भी, ट्रंप अब ईरान के साथ साझा टोल लेने का प्रस्ताव रख रहे हैं।

नीतीश ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज उनको मनोनीत किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी। राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इन सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चुना जाता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908